# दूसरी इकाई

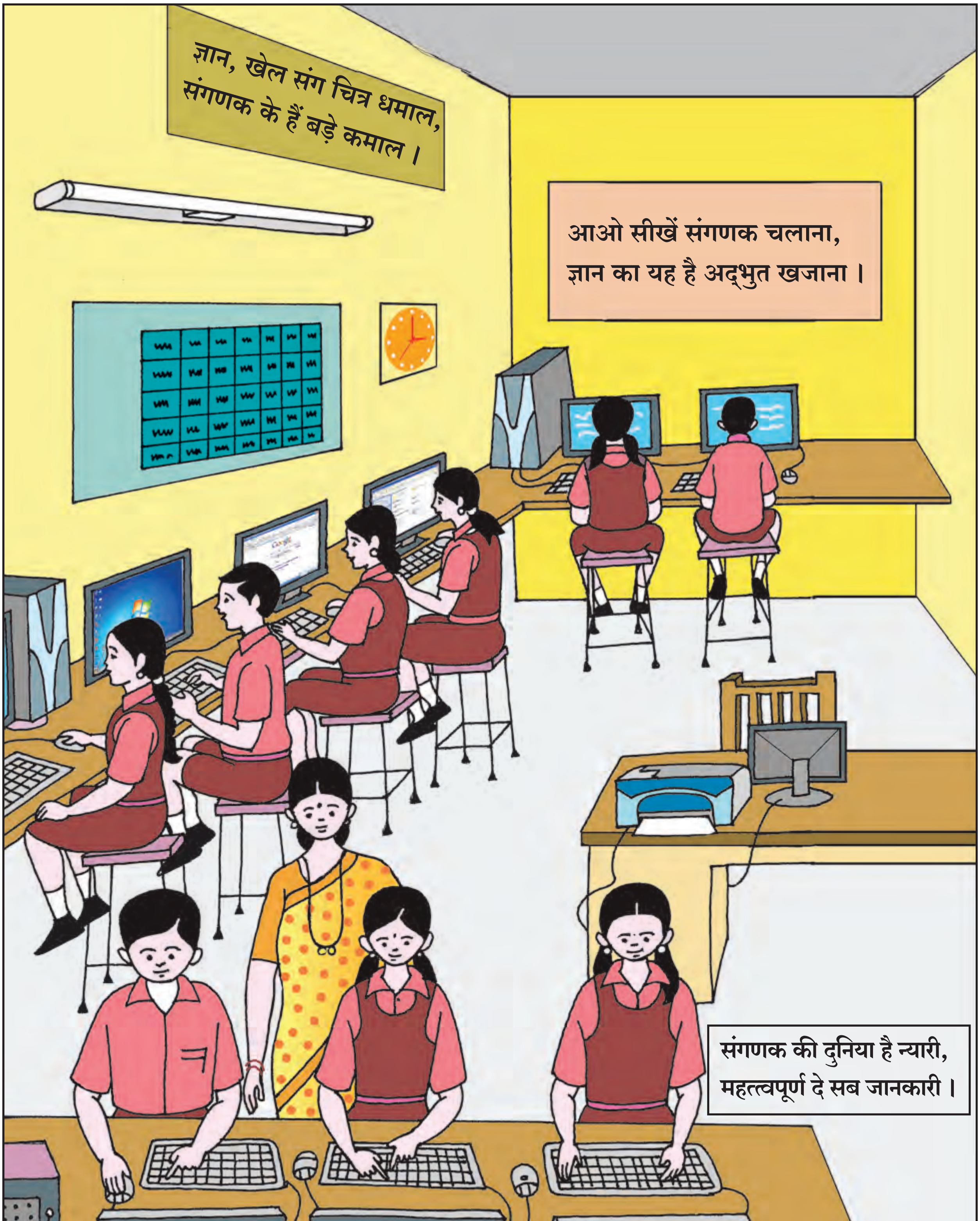


❑ विद्‌यार्थियों से संगणक पर आधारित प्रश्न पूछने के लिए कहें । उनसे संगणक चलाने का अपना पहला अनुभव बताने के लिए कहें । इसके लाभ और सांकेतिक चिह्नों पर विद्‌यार्थियों से चर्चा कराएँ । चित्र के आधार पर पाँच-पाँच वाक्य लिखने के लिए प्रेरित करें ।

● सुनो, दोहराओ और साभिनय गाओ :

# २. रिश्ता-नाता

पीपल पावन पिता सरीखा, तुलसी जैसे माता ।
'त्रिफला' बहन-बहू-बिटिया-सा, बेर सरीखा भ्राता ।।
महुआ मामा जैसा लगता, वन-उपवन महकाता ।
आम-वृक्ष नाना-सा वत्सल, मीठे फल बरसाता ।।

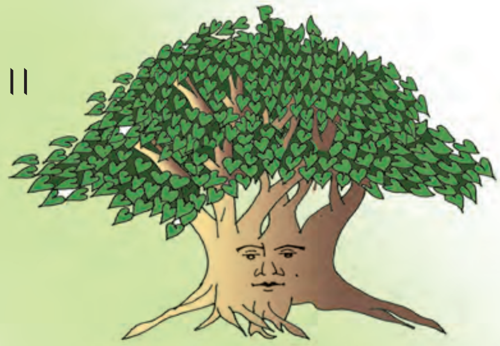

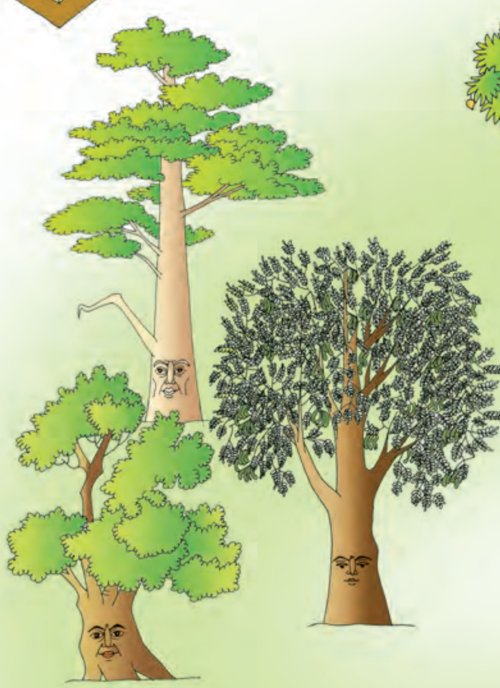

पोषक रक्षक, जीवनदायी औषधियों का दाता ।
वृक्ष निभाता आज भी सबसे रिश्ता-नाता ।।
पौधों को रोपें-सींचें ।
आओ ! आनंद उलीचें ।।

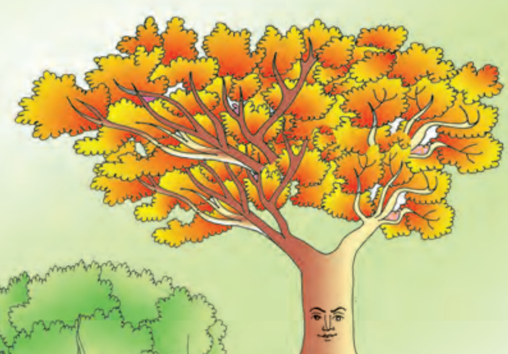

देवदार दादा जी जैसा, इमली जैसे दादी ।
खिरनी नानी-सी मीठी, निर्मल, सीधी-सादी ।।
बरगद है परदादा जैसा, जटा-जूट संन्यासी ।
गुलमोहर चाचा-सा जिसकी रंगत हरे उदासी ।।

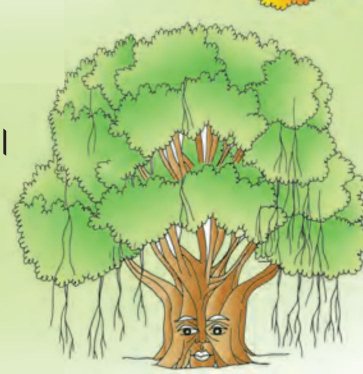

❑ उचित हाव-भाव, लय-ताल के साथ कविता का पाठ करें । विद्यार्थियों से एकल एवं सामूहिक साभिनय पाठ कराएँ । कविता में किन रिश्तों की बात आई है, पूछें । त्रिफला, शगुन, मधुमेह पर मार्गदर्शन करें । औषधीय गुणोंवाले पौधों/वनस्पतियों पर चर्चा करें ।

नीम ननद-ननदोई-सा जो है रोगों का त्राता ।
वृक्ष निभाता आज भी सबसे रिश्ता-नाता ॥
पौधों को रोपें-सींचें ।
आओ ! आनंद उलीचें ॥

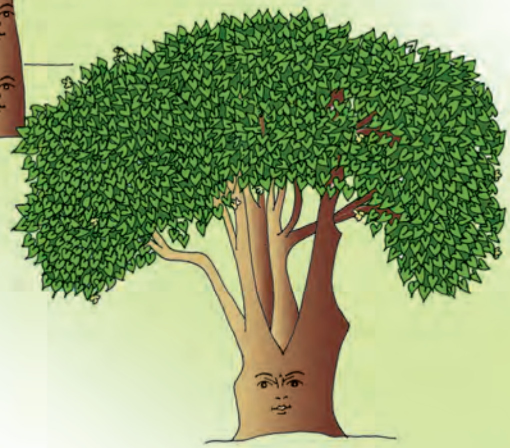

मौलसिरी यानी ज्यों मौसी, मोहक ममतावाली ।
मेहँदी मामी-सी है, किंतु अद्‌भुत क्षमतावाली ।।
है अशोक परनाना-सा, रिश्तों की नैया खेता ।
शीशम शगुन श्वसुर-सा देता, नहीं कभी कुछ लेता ।।

मधुमेह का कुशल वैद्‌य है, जामुन ज्यों जामाता ।
वृक्ष निभाता आज भी सबसे रिश्ता-नाता ॥
पौधों को रोपें-सींचें ।
आओ ! आनंद उलीचें ॥

*- अजहर हाशमी*

❑ कविता में किन-किन शब्दों के बीच योजक चिह्न (-) आए हैं, विद्‌यार्थियों से खोजने के लिए कहें । योजक चिह्न के प्रयोग पर चर्चा करें । उलीचना, उदास होना, सींचना, नाव खेना आदि कृतियों का अभिनय कराएँ । इन शब्दों का उनसे वाक्यों में प्रयोग कराएँ ।

## स्वाध्याय

१. **प्रकृति संबंधी सुनी हुई कोई कविता सुनाओ ।**

२. **वृक्षों से होने वाले लाभ का आठ से दस वाक्यों में वर्णन करो ।**

३. **कविता में आए हुए तुकांत शब्द पढ़ो । जैसे : माता–भ्राता आदि ।**

४. **उत्तर लिखो :**

(क) वृक्ष क्या करता है ?

(ख) 'रिश्ता–नाता' कविता में किन–किन पेड़–पौधों के नाम आए हैं ?

(ग) भाई के समान कौन है ?

(घ) महुआ किसके समान है ? वह क्या करता है ?

(ङ) कविता में औषधीय गुणों वाले किन–किन पौधों का उल्लेख आया है ?

५. **नीचे दिए गए शब्दों में कौन–कौन–से उपसर्ग/प्रत्यय आए हैं, पहचानकर लिखो :**

महत्त्व, अनुकरण, साभिनय, अनमना, उपवन, सहपाठी, प्रतिदिन, परदादा, धनवान, अपनापन, प्रगति, मानवता, रसहीन, दिनभर, बड़ाई, दैनिक, क्षणिक, सब्जीवाला, शक्तिहीन, बुढ़ापा, सुविचार, अचल ।

६. **नीचे दिए गए 'पारस्परिक सहसंबंध' वाले चित्रों को समझो और चर्चा करो :**

७. **पैर में चोट लगने के कारण तुम पाठशाला की खेल प्रतियोगिता में भाग नहीं ले पा रहे हो । ऐसे में तुम्हारे मन में कौन–से भाव उठते हैं, बताओ ।**

● पढ़ो और बताओ :

# ३. बुद्‌धिमान मेमना

एक घने जंगल की गुफा में एक नन्हा मेमना अपने माँ-बाप के साथ रहता था । उन सबके खाने के लिए जंगल में बहुत कुछ था- झाड़ियाँ, पत्तियाँ आदि । तीनों का जीवन आराम से कट जाता, बस शिकारी जानवरों का डर भर न होता ।

पूरा जंगल बड़े-बड़े बाघों और चालाक, निर्दयी गीदड़ों से भरा हुआ था । बकरी और बकरा, दोनों ही अपने मेमने को इन भयंकर जानवरों से बचाने की फिक्र में रहते । हर सुबह, अपने बेटे को गुफा में छोड़कर दोनों भोजन की तलाश में निकल जाते । उन्होंने मेमने से कह रखा था कि वह गुफा के बाहर कभी कदम न रखे और न ही उसके वहाँ होने का किसी को पता चले ।

मेमना बड़ा हो रहा था और चाहता था कि दुनिया देखे । इसलिए एक भरी दोपहरी में वह गुफा से बाहर आया और चलते-चलते बहुत दूर निकल गया । विशाल वटवृक्षों और झर-झर करते झरनों को पार करता हुआ वह चला जा रहा था । जब मेमने ने देखा कि रात हो रही है तो उसने घर लौट चलने का निश्चय किया ।

बेचारा मेमना ! वह तो रास्ता ही भूल गया था फिर भी रात तो कहीं काटनी ही थी । चलते-चलते मेमना किसी गीदड़ की गुफा तक जा पहुँचा । गीदड़ कहीं बाहर गया हुआ था । वह उस गुफा में घुस गया और उसने निश्चय किया कि जब तक उसके माता-पिता नहीं आ जाते, वह वहीं छिपा रहेगा ।

अगली सुबह गीदड़ वापस आया लेकिन गुफा के बाहर ही रुक गया । उसे लगा कोई अनजान जानवर गुफा में घुसा बैठा है । गीदड़ तेज आवाज में बोला, "बाहर आ जाओ, वरना बचोगे नहीं ।" मेमना समझदार था । उसने एक खूँखार जानवर की आवाज में जवाब दिया, "मैं शेर का मामा हूँ । मेरी दाढ़ी बहुत घनी, लंबी और मजबूत है । अपने भोजन में पचास बाघों को एक साथ खाता हूँ । जा भाग, मेरे लिए भोजन का प्रबंध कर ।" गीदड़ की तो सिट्टी-पिट्टी गुम हो गई । उसने सोचा, 'इससे पहले कि यह भीषण जानवर बाघों की खोज में गुफा से बाहर निकले, मुझे यहाँ से नौ-दो-ग्यारह हो जाना चाहिए ।' पलक झपकते ही गीदड़ जंगल के दूसरे

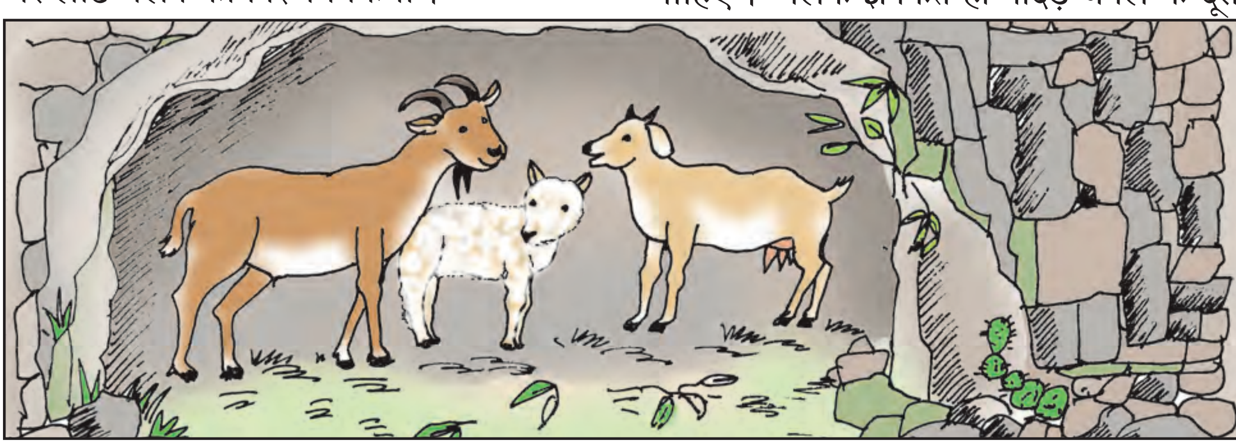

❑ उचित आरोह- अवरोह के साथ कहानी सुनाएँ । विद्यार्थियों से सामूहिक, मुखर वाचन कराएँ । उन्हें उनके शब्दों में कहानी कहने के लिए प्रेरित करें । उन्हें पढ़ी हुई कहानियों के नाम बताने के लिए कहें । 'माता-पिता एवं बड़ों की आज्ञा के पालन' पर चर्चा करें ।

छोर पर था, जहाँ उसे बाघों का सरदार मिला ।

गीदड़ हाँफते हुए बोला, "महोदय, मेरी गुफा में कोई अजीब–सा जानवर छिपा बैठा है । ऐसा लगता है कि वह बहुत विशाल और बलशाली है । उसकी भयानक आवाज सुनकर ही मैंने यह अंदाजा लगा लिया है । उसने मुझे अपने खाने के लिए पचास बाघ लाने का आदेश दिया है ।"

"हूँ !" बाघ बोला । "कौन–सा जानवर है, जो एक साथ पचास बाघ खा सके ? मेरे साथ चलो । ऐसा मजा चखाऊँगा कि उसे नानी याद आएगी ।"

इस बीच बकरी और बकरा अपने बेटे को ढूँढ़ रहे थे । उसके नन्हे खुरों के निशानों पर चलते–चलते दोनों उसी गुफा तक जा पहुँचे और उसे पुकारने लगे । मेमने ने गुफा से बाहर निकलकर गीदड़वाला किस्सा सुनाया । तभी उन्होंने दूर ही से गीदड़ और बाघ को अपनी ओर आते हुए देखा । "अब हम भटक तो गए ही हैं," मेमने का पिता बोला । "फिर भी कोई तिकड़म लगाते हैं ।" तीनों ने मिलकर एक योजना बनाई और फिर गुफा में जाकर बैठ गए । जब बाघ गुफा के पास पहुँचा तो बकरी ने मेमने के कान जोर से उमेठे । मेमना ऊँची आवाज में रोने लगा ।

"बच्चा रो क्यों रहा है ?" पिता चिल्लाया ।

"वह खाने में बाघ माँग रहा है," बकरी बोली । "हम जब से इस जंगल में आए हैं, तब से इसने हाथी, भालू और भैंसे तो खाए पर बाघ नहीं मिला ।" "हाँ, हाँ", मेमने का पिता आवाज बदलकर बोला । "मैंने गीदड़ को पचास बाघ लाने के लिए कहा है । तुम बाहर जाकर देखो, वह आया या नहीं ।"

इतना सुनकर बाघ के तो होश उड़ गए । वह किसी भयंकर जानवर के बच्चे द्‌वारा बड़े–बड़े हाथी निगलने की कल्पना करने लगा । उसे लगा कि उसकी भी मृत्यु निश्चित है, ये सोचकर बाघ वहाँ से भाग खड़ा हुआ । गीदड़ भी उसके पीछे भागने लगा । डर के मारे गीदड़, बाघ के पीछे जितना तेज भाग रहा था, बाघ उतना ही डर रहा था कि गीदड़ उस भयंकर जानवर के भोजन का प्रबंध कर रहा है ।

बाघ और गीदड़ के भाग जाने के बाद बकरी परिवार अपनी गुफा में सुरक्षित वापस आ गया । बहुत दिनों बाद जंगल के प्राणियों को अपनी मूर्खता का पता चला । सबने बुद्‌धिमान मेमने की की बड़ी प्रशंसा की । सभी जानवर जंगल में वापस आ गए । वन में फिर से चहल–पहल हो उठी ।

***– राजेश्वरी प्रसाद चंदोला***

❑ पाठ में संज्ञाओं की विशेषता बताने वाले शब्दों को ढूँढ़ने के लिए कहें (जैसे – **घने** जंगल) । अंदाज लगाना, मजा चखाना, नानी याद आना, भाग खड़ा होना जैसे मुहावरों के अर्थ पूछकर वाक्य में प्रयोग कराएँ । पाठ में आए मुहावरों की सूची बनवाएँ ।

## स्वाध्याय

१. **सुनी हुई कोई बोधकथा सुनाओ ।**

२. **निम्नलिखित राज्यों के नाम पश्चिम से पूर्व दिशा के क्रम से बताओ :**

१. बिहार    २. राजस्थान    ३. छत्तीसगढ़    ४. प. बंगाल    ५. मिजोरम

३. **नभचर प्राणियों से संबंधित जानकारी पढ़ो ।**

४. **उत्तर लिखो :**

(क) माँ-बाप ने मेमने से क्या कह रखा था ?

(ख) गीदड़ की सिट्टी-पिट्टी कब गुम हो गई ?

(ग) बकरी और बकरा गुफा तक कैसे पहुँचे ?

(घ) बाघ गुफा के सामने से क्यों भाग खड़ा हुआ ?

(ङ) इस कहानी में तुम्हें कौन-सी बात सबसे अच्छी लगी ?

५. **(च) पाठ्यपुस्तक में आए शब्दयुग्म ढूँढ़कर लिखो । जैसे : माँ-बाप ।**

**(छ) निम्न शब्दों को प्रथम वर्णानुसार वर्णमाला के क्रम से लिखो :**

एक, चालाक, विशाल, गीदड़, जंगल, आदेश, बाघ, गुफा, सरदार, छत, दूर, मेमना, भैंस, अंक ।

६. **नीचे दिए गए 'अंधविश्वास' संबंधी चित्रों को समझो और इन्हें न मानने के पक्ष में चर्चा करो :**

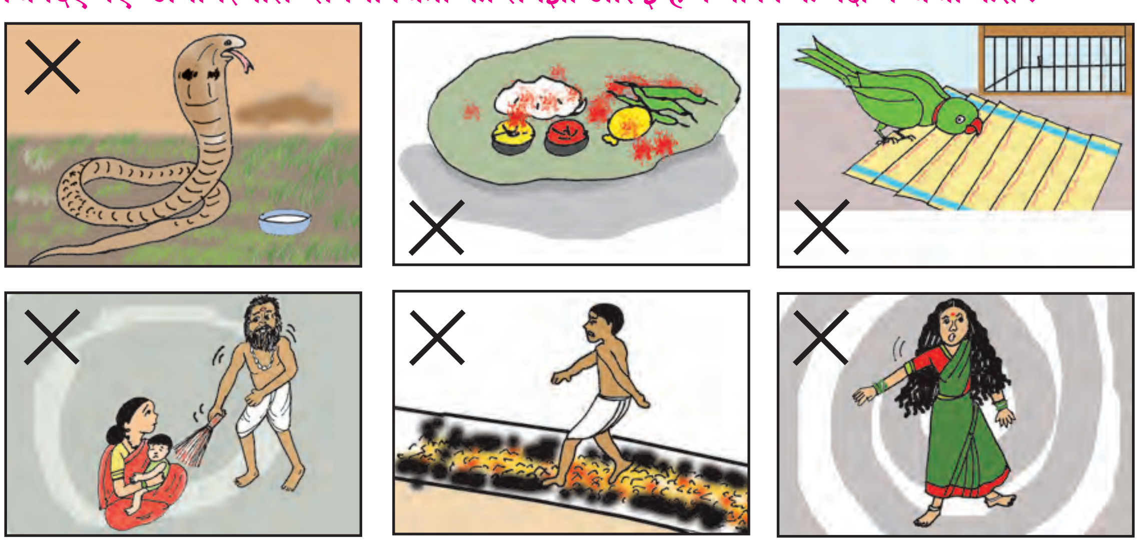

७. **विद्यालय छूटने पर तुम्हारा कोई परिचित/अपरिचित तुम्हें लेने आया है । तुम्हारे माता-पिता ने इस बारे में तुम्हें नहीं बताया था । तुम क्या करोगे, बताओ ।**

● **पढ़ो और समझो :**

## ४. क्या तुम जानते हो ?

१. राकेश शर्मा अंतरिक्ष में जाने वाले प्रथम भारतीय हैं ।

२. चीता सबसे तेज दौड़ने वाला प्राणी है ।

३. मानसरोवर सर्वाधिक ऊँचाई पर स्थित प्राकृतिक सरोवर है ।

४. ध्यानचंद को 'हॉकी का जादूगर' कहा जाता है ।

५. सूर्यप्रकाश शरीर में उपस्थित विटामिन 'डी' को सक्रिय करने का प्राकृतिक माध्यम है ।

६. एशिया संसार का सबसे बड़ा महाद्‌वीप है ।

७. शून्य का आविष्कार भारत में हुआ ।

८. संस्कृत को भारतीय भाषाओं की जननी माना जाता है ।

९. विश्वभर में डाकघरों की सबसे अधिक संख्या भारत में है ।

१०. भारत संसार का सबसे बड़ा लोकतंत्र है ।

❑ पाठ का मुखर एवं मौन वाचन कराएँ । विद्‌यार्थियों के दो गुट बनाकर पाठ में आई जानकारियों के आधार पर प्रश्न निर्मिति और उनके उत्तर देने की कृतियाँ कराएँ । उनसे इस तरह की अन्य सामान्य जानकारियों का संग्रह कराएँ । प्रश्न मंच का आयोजन करें ।

● पढ़ो और चर्चा करो :

# ५. खूब पढ़ो – खूब खेलो !

(कक्षा में विभिन्न खेलों पर चर्चा चल रही है ।)

**सत्येंद्र :** मुझे क्रिकेट बहुत पसंद है । इसके दो दलों में ग्यारह–ग्यारह खिलाड़ी होते हैं । इसमें क्रमानुसार एक दल बल्लेबाजी करता है, दूसरा क्षेत्ररक्षण ।

**आदित्य :** हॉकी मेरा प्रिय खेल है । यह भारत का राष्ट्रीय खेल है । ११–११ खिलाड़ियों के दो दलों में मैच होता है । ओलंपिक खेलों में हॉकी के लिए भारत ने सर्वाधिक बार स्वर्णपदक जीता है । वैसे शारीरिक क्षमता बढ़ाने के लिए मैं रस्सी कूद भी खेलता हूँ ।

**क्षितिजा :** मुझे तो बैडमिंटन बहुत अच्छा लगता है । इसे रैकेट और शटलकॉक से खेला जाता है । इसमें एकल, युगल और मिश्रित युगल मुकाबले भी होते हैं ।

**कृतिका :** कबड्डी भारतीय खेल है । हर दल में सात–सात खिलाड़ी होते हैं । मैं टेबल टेनिस भी खेलती हूँ । यह खेल २ या ४ खिलाड़ियों के बीच खेला जाता है ।

**हिमांशु :** मेरा प्रिय खेल फुटबॉल है । इसमें ११–११ खिलाड़ियों के दो दल खेलते हैं । गेंद को पैर की मदद से उछालकर गोल करते हैं । गोलरक्षक के सिवा अन्य खिलाड़ी द्‌वारा गेंद को हाथ से छूना वर्जित है । ‘हेडर’ इस खेल की खासियत है ।

**उपेंद्र गुरु जी :** बच्चो ! ध्यान रखो कि इन खेलों को खेलने से पहले इनके नियमों की जानकारी होनी चाहिए । हर खेल शारीरिक और मानसिक व्यायाम का उत्तम साधन है । अतः खूब पढ़ो और खूब खेलो ।

*– डॉ. मंजुला शर्मा*

❑ ऊपर आए संवादों के आधार पर विद्‌यार्थियों के नामकरण करें । उनसे क्रमशः अपने–अपने संवाद का उचित आरोह–अवरोह के साथ मुखर वाचन एवं नाट्‌यीकरण कराएँ । पाठ में आए खेल संबंधी आशय और नियमों पर विद्‌यार्थियों से चर्चा करें और कराएँ ।

## स्वाध्याय

**१. सुने हुए कोई पाँच सुवचन सुनाओ ।**

**२. तुम्हारे परिसर में अपने शारीरिक श्रम के बल पर जीवनयापन करने वालों के बारे में बताओ ।**

**३. रेल और बस स्थानक पर लिखी हुई सार्वजनिक सूचनाएँ पढ़ो ।**

**४. उत्तर लिखो :**

(क) क्रिकेट में एक दल में कितने खिलाड़ी होते हैं ?

(ख) भारत का राष्ट्रीय खेल कौन-सा है ?

(ग) बैडमिंटन में कितने और कौन-से मुकाबले होते हैं ?

(घ) खेल खेलने से पहले क्या करना चाहिए ?

(ङ) फुटबॉल में गेंद को किसकी मदद से उछाला जाता है ?

4XG6IB

**५. नीचे दिए गए शब्दों में उचित स्थान पर अनुस्वार (ं) एवं अनुनासिक (ँ)लगाकर इन्हें पुनः लिखो :**

आगन, पकज, पखुड़ी, कगाल, साप, सघमित्रा, काचन, पूछ, माद, रजना, मजिल, ऊट, फटूश, कठ, मडी, मुह, ढिढोरा, अनत, आख, मथन, कुदन, वृदा, बधन, चपा, चबल, रभा, गुफन, उगली, चाद ।

**६. नीचे दिए गए 'ईमानदारी' संबंधी चित्रों को समझो और चर्चा करो :**

**७. जन्मदिन पर माँ-पिता जी द्वारा उपहार में दिए गए रुपयों का सदुपयोग कैसे करोगे, बताओ ।**

● पढ़ो और लिखो :

# ६. दिलों को जोड़ना जरूरी

प्रिय सुमति,

सस्नेह आशीष ।

तुम्हारा पत्र मिला । प्रथम सत्रांत परीक्षा में तुम प्रथम रही, यह पढ़कर बहुत खुशी हुई । सुमति, लेकिन मुझे यह बताओ कि आजकल तुम्हारा स्वास्थ्य कैसा है ? अच्छा है न ? हमारा शरीर निरोगी होना चाहिए, ताकतवर होना चाहिए । पढ़ाई तो करनी चाहिए ही, इसमें कोई शक नहीं, लेकिन बाकी बातों की ओर भी ध्यान देना चाहिए । लोकमान्य टिळक जी ने एक बार कहा था, "केवल छात्रवृत्ति पाने के लिए हमारा जन्म नहीं हुआ है ।"

परसों मेरे एक मित्र ने मुझसे कहा, "मुझे इस बात का खेद है कि परीक्षा में मैं कभी भी प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण नहीं हो सका । वह खुशी, वह आनंद मैं अपने पिता जी को कभी नहीं दे पाया ।"

मैंने उससे कहा, "देखो भाई, परीक्षा में तुम प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण नहीं हुए, सो तो है पर जीवन की परीक्षा में बहुत ही अच्छी तरह उत्तीर्ण हुए हो, इसमें जरा भी शक नहीं है । सच कहूँ तो, इसी में तुम्हारे पिता जी की भी खुशी समाई है । तुम उदार स्वभाववाले हो । तुम और तुम्हारे भाई एक साथ, मिल-जुलकर रहते हो, यह अच्छी बात है । इस बात से भी तुम्हारे पिता जी बहुत खुश होते होंगे ।" पढ़ाई, परीक्षा, अंक इनका अपने आप में महत्त्व तो है ही, लेकिन सभी बातों में उचित मेल होना चाहिए, अनुपात होना चाहिए । एक अंग्रेजी कहावत है, 'अनुपातबद्धता कला की आत्मा है ।' सुमति, मैं चाहता हूँ कि तुम यह कहावत हमेशा ध्यान रखो । पढ़ाई के साथ-साथ बाकी सारी बातों पर ध्यान देकर यदि तुम परीक्षा में प्रथम आओ तो बात बने । माँ के कामों में हाथ बँटाना, छोटे भाई/बहन के साथ प्यार से रहना, खेलना, ये सारी बातें करते हुए पढ़ाई में आगे रहना बड़ी उपलब्धि है ।

यह भी लिखा है कि तुमने हिंदी की कुछ परीक्षाएँ दी हैं । बहुत अच्छी बात है पर मुझे बताओ, क्या तुम हिंदी में बातचीत कर सकती हो ? बहुत वर्ष पहले मैंने भी तुम्हारी ही तरह हिंदी की कुछ परीक्षाएँ दी थीं लेकिन आज भी मैं हिंदी में ठीक से बातचीत नहीं कर पाता ।

❑ उचित आरोह-अवरोह के साथ पत्र का एकल मुखर वाचन एवं सामूहिक मौन वाचन कराएँ । पत्र के प्रारंभ, विषयवस्तु एवं पत्रांत पर चर्चा करें/कराएँ । पाठ में संज्ञा के बदले आए शब्द ढूँढ़ने के लिए कहें । इसी प्रकार के अन्य पत्र पढ़ने के लिए प्रोत्साहित करें ।

एक बार तो मेरी फजीहत ही हो गई थी । हुआ यूँ कि मैं एक गाँव गया था, व्याख्यान देने । व्याख्यान के बाद कुछ लोग मेरे पास आए । वे वहाँ के राष्ट्रभाषा केंद्र के संचालक थे । उन्होंने मुझसे कहा, "कृपया आप हमारे केंद्र में आइए । वहाँ भी आप एक व्याख्यान दीजिए ।"

मैंने बहुत आनाकानी की, टालमटोल किया पर आखिर मुझे जाना ही पड़ा । मैंने पाँच ही मिनट व्याख्यान दिया पर बहुत परेशानी हुई । ऐन मौके पर एक संत का एक पद मुझे याद आया । बस उसी के सहारे काम चलाया । वह पद इस तरह है –

'दिल किसी का मत दुखाओ
यह तो खुदा की मस्जिद है ।'

सचमुच सुमति, संत ने कितनी अच्छी बात कही है– हृदय रूपी मस्जिद । अनेक बार ऐसा होता है कि बाहरी मस्जिद या मंदिर को अगर किसी ने हानि पहुँचाई तो लोग दंगा–फसाद करते हैं पर इस हृदयरूपी मस्जिद, मंदिर को बार–बार चोट पहुँचाने के बावजूद हम कुछ नहीं करते । इसीलिए कवि ने कहा कि किसी के भी दिल को ठेस मत पहुँचाओ । हम हिंदी क्यों सीखें ? दिलों को जोड़ने के लिए, एकता के लिए । सिर्फ हिंदी की परीक्षा देना काफी नहीं है । दिलों को जोड़ना भी जरूरी है ।

अब रुकता हूँ । मेरे आस–पास बिल्ली के छोटे–छोटे बिलौटे कुछ गड़बड़ कर रहे हैं । हो सकता है कि कुछ बिलौटे स्याही की दवात पर झपट पड़ें । अतः पत्र को विराम दे रहा हूँ ।

तुम्हारा,
अण्णा

***(मूल मराठी पत्र : साने गुरुजी***
***अनुवाद– प्रकाश बोकील)***

❑ विद्यार्थियों को उनके द्‌वारा पढ़े, सुने हुए पत्रों के बारे में बताने के लिए कहें । वे किन प्रसंगों में पत्र लिख सकते हैं, मार्गदर्शन करें । जन्मदिन, विशेष प्रसंगों पर चर्चा करते हुए मित्र/ रिश्तेदार को पत्र लिखने हेतु प्रेरित करें । विविध पत्रों का संग्रह कराएँ ।

## स्वाध्याय

१. **माँ/ दादी से उनके बचपन के प्रसंग सुनो ।**

२. **तुम्हें अब तक किन-किन के पत्र आए हैं ? तुमने किस-किसको पत्र लिखे हैं, बताओ ।**

३. **'विज्ञान दिवस' के बारे में पढ़ो ।**

४. **उत्तर लिखो :**

(क) प्रस्तुत पाठ में पत्र किसने किसे लिखा है ?

(ख) पत्र लेखक ने अपने मित्र से क्या कहा ?

(ग) लेखक ने संत के कौन-से पद से काम चलाया ?

(घ) हमें हिंदी क्यों सीखनी चाहिए ?

(ङ) लेखक के आस-पास कौन गड़बड़ कर रहे थे ?

4X02JY

५. **पढ़ो, समझो और इसी प्रकार के अन्य समूह वाचक शब्द लिखो :**

ट्डि्डियों का **दल**, लताओं का **कुंज**, पर्वतों की **शृंखला**, तारों का **पुंज**, पक्षियों का **झुंड**, गेहूँ का **ढेर**, कागजों का **पुलिंदा**, ऊँटों का **काफिला**, नोटों की **गड्डी**, नक्षत्रों का **मंडल**, राज्यों का **संघ** ।

६. **'अपनी जिम्मेदारी' संबंधी नीचे दिए गए चित्रों को समझो और चर्चा करो :**

७. **गणेशोत्सव के लिए तुम्हें पर्यावरणपूरक मूर्ति बनानी है । तुम किन पदार्थों का उपयोग करोगे, बताओ ।**

● **समझो और करो :**

## ७. आओ, आयु बताना सीखें

१. अपने मित्र को उसकी वर्तमान आयु में अगले वर्ष की आयु जोड़ने के लिए कहें ।

२. इस योगफल को ५ से गुणा करने के लिए कहें ।

३. प्राप्त गुणनफल में उसे अपने जन्मवर्ष का इकाई अंक जोड़ने के लिए कहें ।

४. प्राप्त योगफल में से ५ घटा दें ।

५. घटाने के बाद जो संख्या प्राप्त होगी, उसकी बाईं ओर के दो अंक तुम्हारे मित्र की आयु है ।

इस सूत्र को उदाहरण से समझते हैं–

मान लो तुम्हारे मित्र की आयु १० वर्ष है तो–

१. १० (वर्तमान आयु) + (अगले ११ वर्ष की आयु) = २१

२. २१× ५ = १०५

३. १०५ + ४ = १०९ (यदि जन्मवर्ष २००४ है, तो इकाई अंक ४ होगा ।)

४. १०९ – ५ = १०४

५. १०४ के बाईं ओर के दो अंक अर्थात १० वर्ष तुम्हारे मित्र की आयु है ।

इसी आधार पर अपने परिजनों, परिचितों, मित्रों को उनकी आयु बताकर आश्चर्यचकित कर सकते हो । करके देखो !

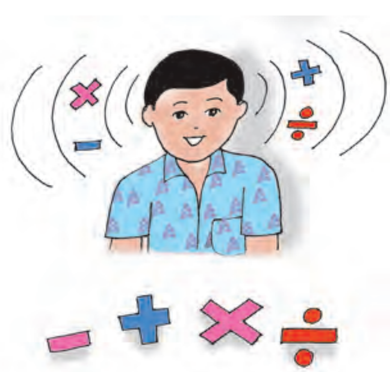

❑ उचित आरोह–अवरोह के साथ पाठ का वाचन करें । विद्यार्थियों से मुखर एवं मौन वाचन कराएँ । विद्यार्थियों की जोड़ियाँ बनाकर 'आयु बताने' का खेल खेलने के लिए कहें । कक्षा में अन्य भाषाई खेलों के माध्यम से बुद्धिमंथन के खेलों का प्रात्यक्षिक कराएँ ।

● पढ़ो, समझो और लिखो :

# ८. ताले की कुंजी

सुशांत के माता-पिता अमेरिका में नौकरी करते थे। सुशांत का जन्म वहीं हुआ। वह अमेरिका के ही एक अंग्रेजी विद्यालय में पढ़ रहा था। माता-पिता के काम पर चले जाने के बाद सुशांत घर में अकेला पड़ जाता था। वह परेशान रहने लगा। माँ- बाप से सुशांत की यह हालत देखी न गई। उन्होंने सुशांत के अच्छे भविष्य के लिए अपने देश भारत लौटने का निर्णय कर लिया। वे जानते थे कि सुशांत अपने दादा-दादी के साथ खुश रहेगा। वे सब भारत आ गए। सुशांत को एक अच्छे अंग्रेजी स्कूल में प्रवेश मिल गया। दादा-दादी जी के साथ सुशांत बहुत खुश था। प्रतिदिन सोने से पहले दादा-दादी से रामायण-महाभारत, पंचतंत्र की कहानियाँ जरूर सुनता था। धीरे-धीरे उनसे सुशांत का लगाव बढ़ गया था। विद्यालय में भी शशांक, अनुराग, अनुष्का, पिंकी उसके अच्छे मित्र हो गए थे।

सितंबर का महीना था। शिक्षिका ने कक्षा में कथाकथन प्रतियोगिता होने की सूचना दी। उन्होंने कहा, "इस वर्ष से तुम्हारी पाँचवीं कक्षा में हिंदी भी पढ़ाई जा रही है। अतः कथाकथन प्रतियोगिता अंग्रेजी और हिंदी दोनों भाषाओं में होगी।" शिक्षिका अब तक जान गई थीं कि सुशांत अंग्रेजी विषय में सबसे अच्छा है पर हिंदी पढ़-लिख नहीं पाता है। शिक्षिका ने कहा, "सुशांत तुम 'हिंदी कथाकथन' प्रतियोगिता में भाग लोगे।" शिक्षिका की सूचना सुनकर सुशांत का उत्साह ठंडा पड़ गया। वह टूटी-फूटी हिंदी बोलता था। हिंदी पढ़ना-लिखना तो उसे आता ही नहीं था। हिंदी को भी वह 'इंडी' कहता था।

सुशांत का उदास चेहरा देखकर शिक्षिका बोलीं, "सुशांत ! पाँचवीं कक्षा में हिंदी एक विषय है। तुम हिंदी में कहानी बोल सकते हो।" सुशांत बोला, "नो मैडम ! आय कान्ट।" यह कहकर रुआँसा हो गया। शिक्षिका ने कहा, "सुशांत यू आर अ गुड स्टुडंट। आय एम श्योर, यू कैन।" सुशांत कुछ बोल नहीं सका। सिर झुकाकर खड़ा रहा। उसे अधिक परेशान देखकर शिक्षिका बोलीं, "यू

❑ उचित आरोह-अवरोह के साथ पाठ का वाचन करें। विद्यार्थियों से एकल मुखर वाचन एवं सामूहिक मौन वाचन कराएँ। उन्हें उनके शब्दों में पाठ का सारांश कहने के लिए प्रेरित करें। कक्षा में सत्रानुसार कथाकथन प्रतियोगिता आयोजित करें।

आर अ ब्राइट स्टुडेंट । यू शुड लर्न हिंदी । सुशांत यू मस्ट पार्टिसिपेट ।"

घर पहुँचने पर सुशांत का उतरा चेहरा देखकर दादा जी समझ गए कि कुछ गड़बड़ है । उन्होंने उसे पास बुलाया । प्यार से पूछने पर सुशांत ने विद्यालय का सारा किस्सा कह सुनाया । सुनकर दादा जी बोले, "बेटा, इसमें परेशान होने की क्या बात है ? हिंदी तो तुम्हें सीखनी ही चाहिए । आज से तुम, हम सबसे हिंदी में ही बात करोगे । तुम बहुत जल्द हिंदी बोलना सीख जाओगे । तुम्हारी टीचर ने तुम्हारे ऊपर इतना विश्वास किया है । यू शुड टेक पार्ट ।" सुशांत बोला, "बट हाऊ ?" दादी बोलीं, "चलो पहले खाना खा लो फिर तुम्हारे दादा जी कोई कुंजी ढूँढ़ेंगे ।"

सुशांत खाना खाकर दादा जी के पास आकर बोला, "दादू ! अब लाओ कोई कुंजी ।" दादा जी ने रोमन लिपि में Bharat, Basta, Dost, Desh, Katha, Hai, Adi शब्द लिखकर सुशांत से पढ़ने के लिए कहा । सुशांत ने पढ़ा– भारट, बस्टा, डोस्ट, डेश, काथा, हाई, आडि । दादा जी समझ गए कि सुशांत की क्या कमजोरी है । उन्होंने इन शब्दों के सही उच्चारण बताए । दादा जी सुशांत को 'ट, थ, ड, द, स, श' आदि का उच्चारण कई दिन समझाते रहें । एक दिन दादा जी ने लिखकर सुशांत को पढ़ने के लिए दिया–

Bharat Mera Desh Hai. Ham Sabhee Bhai-Bahan Hain. Ham Sabhee Shanti Se Rahte Hain.

सुशांत ने पढ़ा –भारत मेरा देश है । हम सभी भाई–बहन हैं । हम सभी शांति से रहते हैं ।

दादा जी बोले, "शाबास ! लो खुल गया ताला! मिल गई कुंजी । सुशांत, तुम तो हिंदी अच्छी तरह बोल सकते हो । मैं हिंदी की एक अच्छी कहानी बोलता हूँ । तुम उसे रोमन लिपि (अंग्रेजी) में लिख लो । बार–बार पढ़कर अच्छी तरह 'प्रैक्टिस' कर लो और 'कांपिटिशन' में सहभाग लो ।"

सुशांत बोला, "एट लास्ट वी हैव गॉट द की ।"

दादा जी बोले, "नहीं, ऐसे बोलो कि आखिर हमें बंद ताले की कुंजी मिल ही गई ।" सुशांत और दादा जी दोनों हँस पड़े ।

हँसने से सुशांत के मन का सारा तनाव दूर हो गया । पोते की आँखों में चमक देखकर दादा जी और दादी जी दोनों समझ गए कि अब सुशांत तैयार हो गया है ।

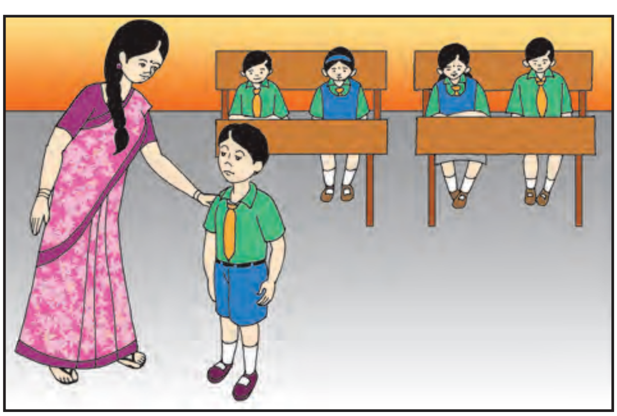

❑ पाठ में आए अंग्रेजी के शब्दों एवं वाक्यों को ढूँढ़ने के लिए कहें । लिप्यंतरण पर चर्चा करें । देवनागरी में लिखे शब्दों/वाक्यों का रोमन लिपि (अंग्रेजी) में एवं रोमन लिपि में लिखे शब्दों/वाक्यों का देवनागरी लिपि (हिंदी) में लिप्यंतरण कराएँ ।

## स्वाध्याय

१. अपना प्रिय व्यंजन बनाने की विधि सुनो ।

२. अपनी पसंद के खेल एवं खिलाड़ियों के बारे में बताओ ।

३. भारतीय वृक्षों के बारे में जानकारी पढ़ो और ऐसे पाँच वृक्षों के चित्र कृति पुस्तिका में चिपकाओ ।

४. नीचे लिखे शब्दों और वाक्यों का सूचनानुसार लिप्यंतरण करो : (देवनागरी/रोमन में)

(क) पुस्तक, बिल्ली, कहानी, घर, चाय, दरवाजा, खिड़की, खेत, चारपाई, अहमद, रमा, कबड्डी ।

(ख) Boy, Girl, Sister, Brother, Mother, Father, Pen, Cricket, Maths, Cow.

(ग) सदा सच बोलो ।

हमेशा बड़ों का आदर करो ।

(घ) You should save water.

Milk is good for health.

५. दिए गए उदाहरण के अनुसार एक शब्द के लिए प्रचलित शब्दसमूह बताओ :

जैसे– विद्‌यार्थी–विद्‌या प्राप्ति की इच्छा रखने वाला ।

विद्‌यालय, शिक्षिका, लेखक, वक्ता, सहभागी, दाता, खिलाड़ी, गायक, श्रोता, नेता, अनुवादक ।

६. नीचे दिए गए 'रचनात्मक विचार' संबंधी चित्रों को समझो और चर्चा करो :

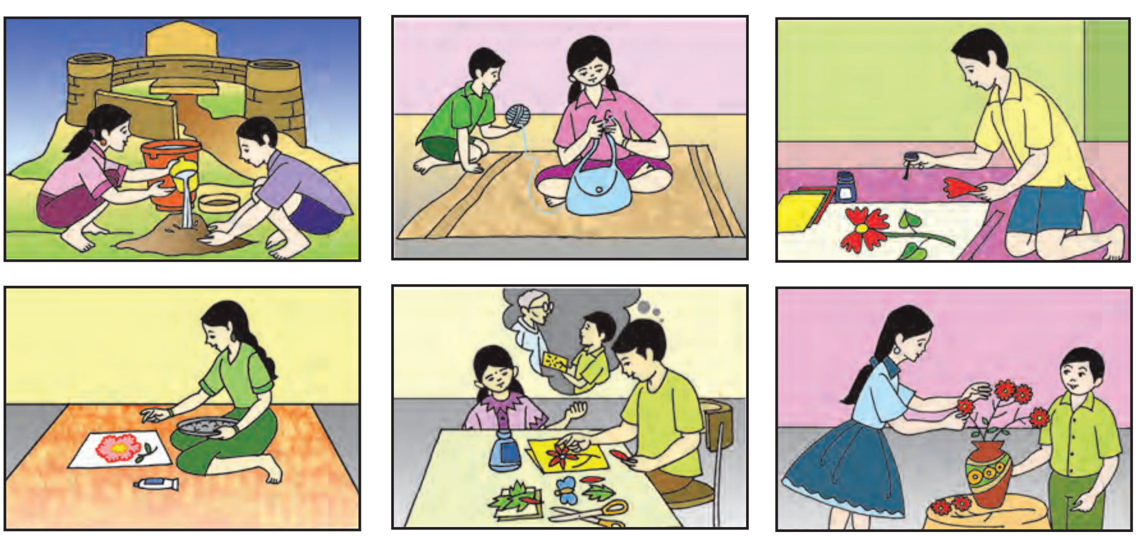

७. शिक्षक ऐसे काम के लिए तुम्हारी प्रशंसा कर रहे हैं जो तुमने नहीं, किसी और ने किया है । ऐसे समय तुम क्या करोगे, बताओ ।

● पढ़ो, समझो और लिखो :

# ९. (अ) हम ऐसे बने

✲ पत्तों पर दिए वर्णों से सार्थक संयुक्ताक्षर शब्द बनाओ :

❑ चित्र में आए वर्णों और शब्दों का वाचन करें/कराएँ। संयुक्ताक्षरयुक्त शब्द बनने की प्रक्रिया पर चर्चा करें। विद्यार्थियों से संयुक्ताक्षरयुक्त शब्दों के वाचन-लेखन का अभ्यास कराएँ। इन शब्दों का उनसे वाक्यों में प्रयोग करवाएँ। दस संयुक्ताक्षरयुक्त शब्द लिखवाएँ।

● पढ़ो और समझो :

## (ब) हमसे नाम बनाओ

* पंचमाक्षरवाली टोपी उचित विदूषक के सिर पर रेखा द्वारा रखो और अन्य शब्द बनाओ :

❑ चित्र में आए शब्दों का मुखर वाचन कराएँ । पंचमाक्षरों और उनके अनुस्वार रूप में परिवर्तन की प्रक्रिया पर चर्चा करें । पंचमाक्षरवाले शब्दों के वाचन-लेखन का दृढ़ीकरण करवाएँ । अक्षर लेखन, शिरोरेखा, अक्षरों के आकार, उनकी गोलाई पर मार्गदर्शन करें ।

- **पढ़ो, समझो और लिखो :**

# १०. (अ) विशेषता हमारी

**१. रेखा द्‌वारा चित्रों और विशेषणों की जोड़ियाँ मिलाओ :**

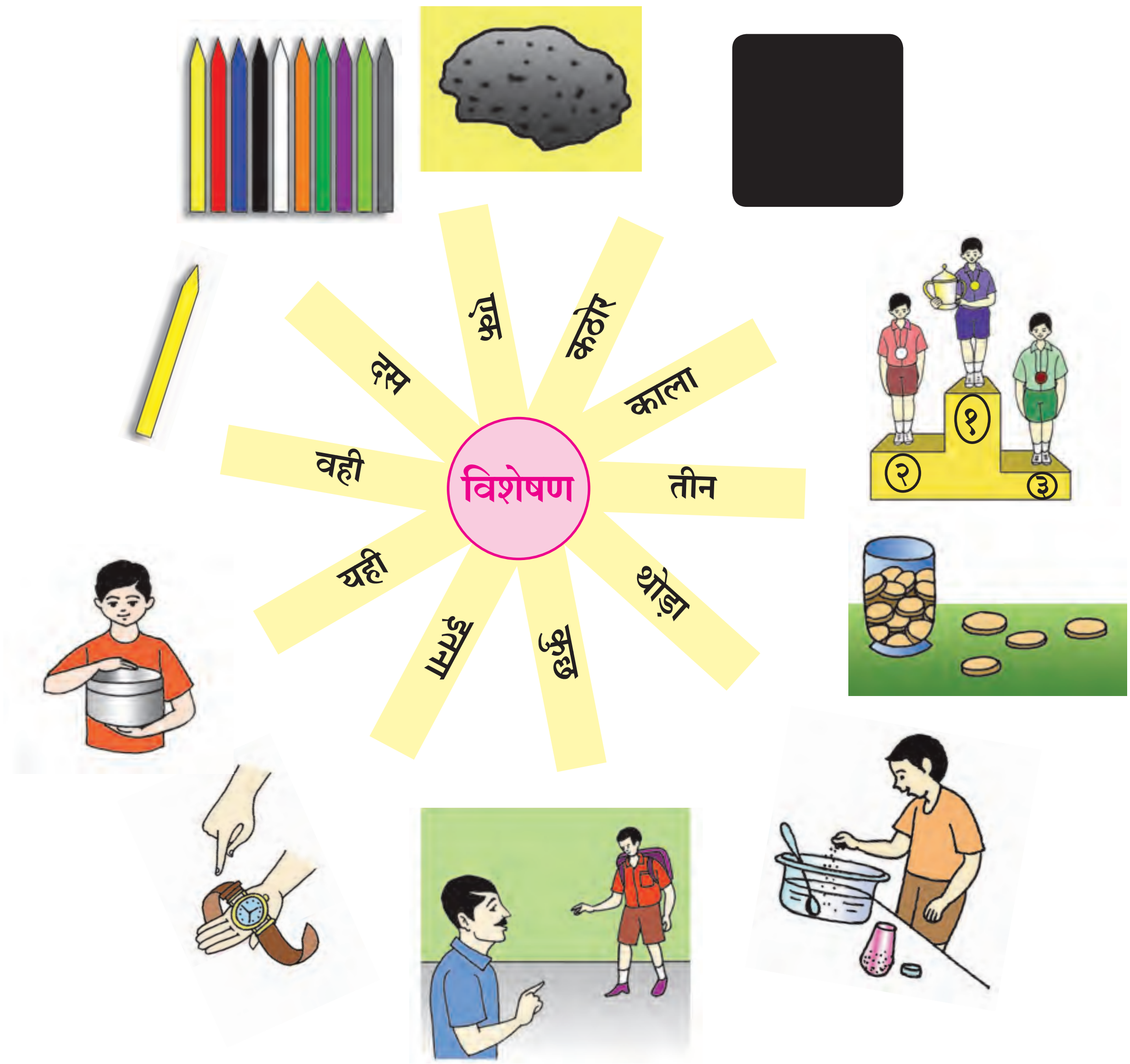


**२. निम्नलिखित वाक्यों में आए हुए विशेषण शब्दों को पहचानकर उनके चारों ओर गोल बनाओ :**

(१) सुंदर अक्षर लिखने हैं ।
(२) सफेद कमीज पहनो ।
(३) पाँच फूल खिले हैं ।
(४) मैंने दो पुस्तकें पढ़ीं ।
(५) आज कुछ लोग आएँगे ।
(६) परीक्षा शुरू होने में ज्यादा दिन नहीं हैं ।
(७) यह वही व्यक्ति है ।
(८) अब ये चित्र देखिए ।

❑ ऊपर दिए शब्दों का मुखर एवं मौन वाचन कराएँ । पाठ्‌यपुस्तक से विशेषणयुक्त शब्दों को ढूँढ़ने के लिए कहें । संज्ञा की विशेषता बताने वाले उपरोक्त विशेषण शब्दों पर चर्चा कराते हुए इनका वाक्यों में प्रयोग करने हेतु प्रेरित करें । अन्य विशेषण शब्द कहलवाएँ ।

## (ब) कार्य हमारा

**१. रेखा द्‌वारा चित्रों और क्रियाओं की जोड़ियाँ मिलाओ :**

**२. निम्नलिखित वाक्यों में आई क्रियाओं को पहचानकर उनके चारों ओर गोल बनाओ :**

(१) यह पेड़ा लो ।

(२) अमित चित्र रँगो ।

(३) जूही दौड़ती है ।

(४) माँ सोई हैं ।

(५) बंदर को देखकर बच्चे उछल पड़े ।

(६) यात्री आपस में बातें करने लगे ।

(७) माँ ने अलमारी खोल दी ।

(८) दादी जी कहानियाँ सुनाती हैं ।

(९) अध्यापिका ने कविता लिखवाई ।

(१०) मीरा ने कुत्ते को रोटी खिलाई ।

❑ ऊपर आए क्रिया शब्दों का मुखर वाचन कराएँ । क्रिया के प्रयोग पर चर्चा करें । क्रिया शब्दों का वाक्यों में प्रयोग कराएँ । ऊपर दिए गए उदाहरणों के आधार पर क्रिया के प्रयोग पर चर्चा करें । क्रियाओं के आधार पर विद्‌यार्थियों को वाक्य रचना करने के लिए प्रेरित करें ।

● पढ़ो और गाओ :

# ११. गुनगुनाते चलो

पाँव में हो थकन, अश्रु भीगे नयन,
राह सूनी, मगर गुनगुनाते चलो ।

यह न संभव कि हर पंथ सीधा चले,
यह न संभव कि मंजिल सभी को मिले,
वाटिका बीच कलियाँ लगें अनगिनत,
यह न संभव कि हर फूल बनकर खिले ।

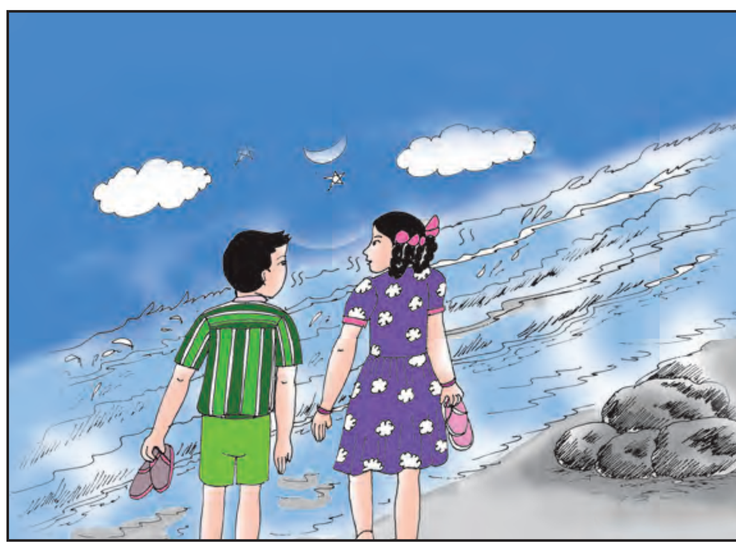

यदि न सौरभ मिला तो यही कम नहीं,
राह मधुमास की तुम बनाते चलो ।

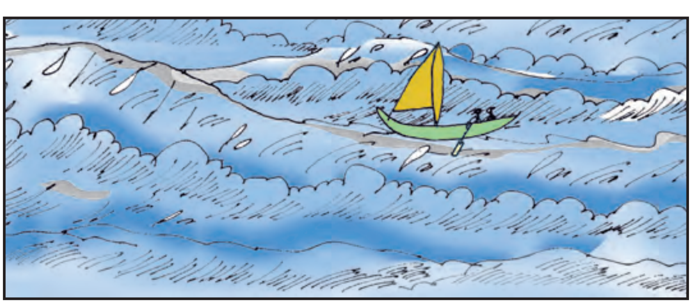

विश्व है एक सागर उमड़ता हुआ,
हर लहर जो उठी है उछलती रहे,
जिंदगी की कहानी यहाँ नाव-सी,
रात-दिन एक पतवार चलती रहे ।

❑ उचित हाव-भाव, लय-ताल एवं अभिनय के साथ कविता का साभिनय पाठ करें । विद्यार्थियों को कविता की एक-एक पंक्ति का सरल अर्थ बताने के लिए प्रेरित करें । विद्यार्थियों से पूछें कि उन्हें कविता की कौन-सी पंक्तियाँ बहुत अच्छी लगीं और क्यों ।

साँस भर तुम स्वयं भी चलाते चलो,
थक गए, दूसरों को बढ़ाते चलो ।

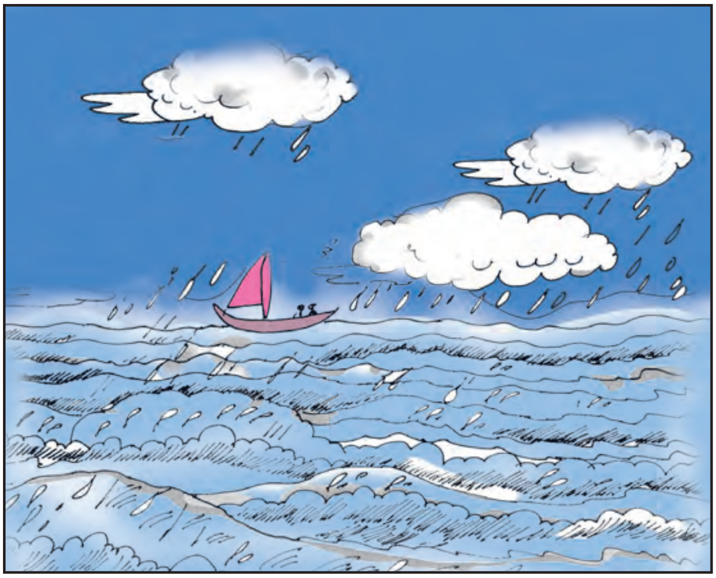

एक सागर किसी के लिए कम यहाँ,
एक कण के लिए अन्य तरसा करें,
सूखते जिंदगी के सरोवर रहें,
सागरों पर महामेघ बरसा करें ।

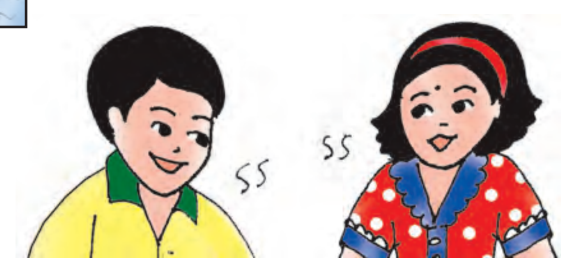

यह दोहरी प्रणाली चलेगी नहीं,
इसलिए धार को सम बहाते चलो ।

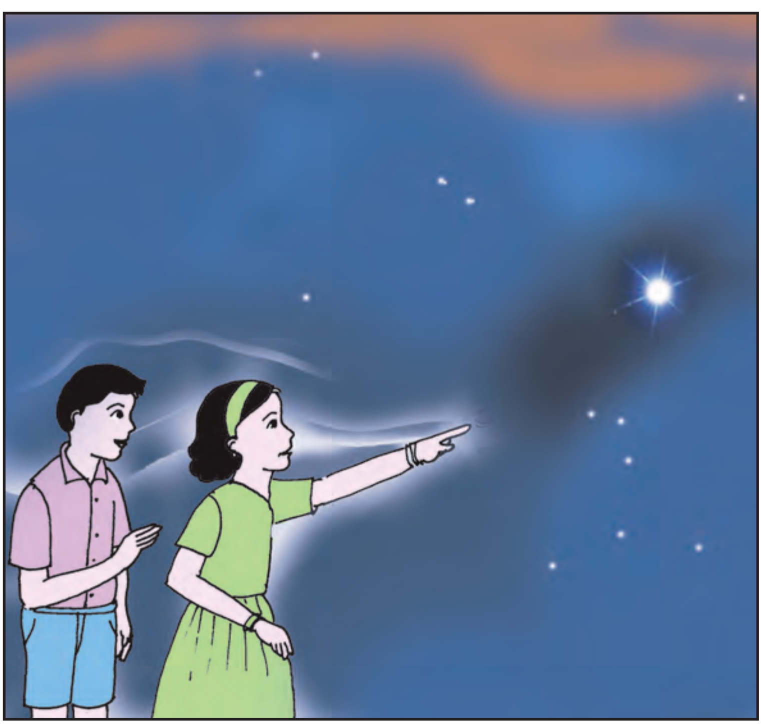

कुछ तुम्हारे सहारे खड़े राह पर,
कुछ सहारा तुम्हारे लिए चाहिए,
एक तारा बनो दूसरों के लिए,
एक तारा तुम्हारे लिए चाहिए ।

*– श्रीपाल सिंह 'क्षेम'*

❑ विद्यार्थियों से कविता में आए भावों पर चर्चा करें/कराएँ । समता, बंधुता, न्याय जैसे गुणों को अपनाने हेतु प्रेरित करें । 'पाँव में हो थकन, अश्रु भीगे नयन' के आधार पर चित्र बनाने के लिए कहें । कविता में आए सर्वनाम एवं क्रिया शब्दों की सूची बनवाएँ ।

## स्वाध्याय

१. **'सारे जहाँ से अच्छा हिंदोस्ताँ हमारा' सुना हुआ यह गीत लय-ताल के साथ सुनाओ ।**

२. **इस कविता के भाव पर आधारित दूसरी कविता बोलो।**

३. **कविता में आए नए शब्द पढ़ो ।**

४. **स्व रचना द्‌वारा कविता पूर्ण करो :**

समय था प्रातःकाल, पूरब..............., ..........थी चिड़िया, ........... सूरज बाल ।
बरसे बादल झमक-झमक, मोर नाचे.........., बिजली तड़के.........., दिल मेरा धड़के ......... ।

५. **निम्नलिखित परिच्छेद पढ़ो उसके नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखो :**

मंगल सौर परिवार में चौथा ग्रह है । इसे 'लाल ग्रह' भी कहते हैं क्योंकि यह लाल रंग का दिखता है । पृथ्वी और मंगल की कई बातें एक-दूसरे से मिलती-जुलती हैं । पृथ्वी के समान मंगल भी धरातलीय ग्रह है अर्थात इसपर खड़े हो सकते हैं । इसका वातावरण घना नहीं अपितु विरल है । वहाँ दिन की लंबाई २४ घंटे है और एक वर्ष पृथ्वी के लगभग ६८७ दिनों के बराबर होता है । पृथ्वी जैसे मौसमी चक्र मंगल पर भी होते हैं । भविष्य में मंगल पर मानव-सभ्यता बसने की संभावना है ।

**प्रश्न :** १. मंगल को क्या कहते हैं और क्यों ?

२. मंगल ग्रह का वातावरण कैसा है ?

३. एक वर्ष की अवधि में मंगल पर कितने दिन होते हैं ?

४. मंगल और पृथ्वी की कौन-कौन-सी बातें समान हैं ?

4Z1GT7

६. **नीचे दिए गए 'विनम्रता' संबंधी चित्रों को समझो और चर्चा करो :**

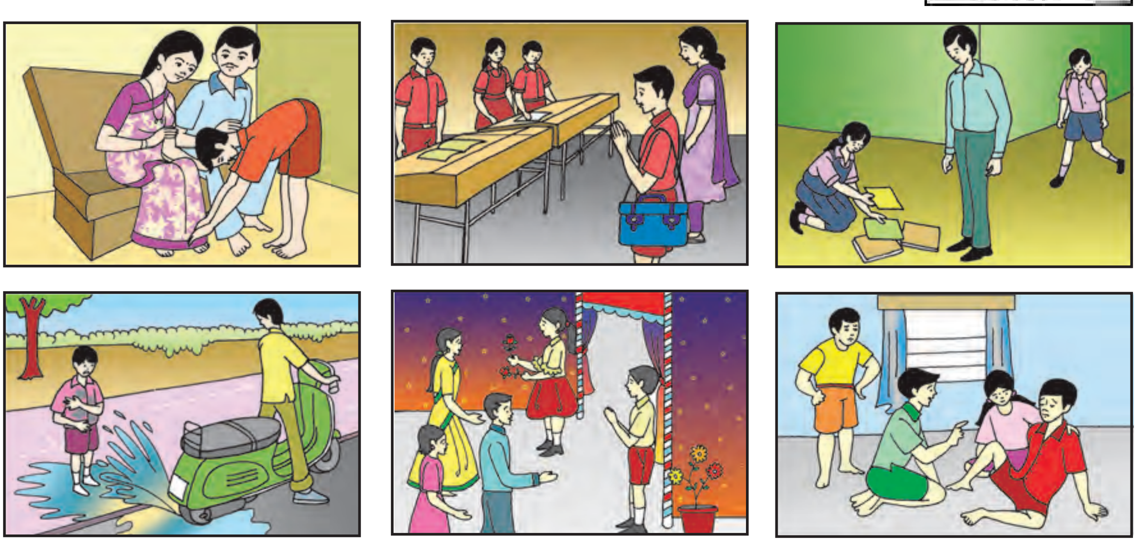

७. **तुम्हारे मित्रों के दो समूहों में झगड़ा हो रहा है । ऐसे में तुम क्या करोगे, बताओ ।**

● पढ़ो, समझो और बताओ :

# १२. अद्‌भुत वीरांगना

मेवाड़ में अनेक बहादुर और साहसी राजा हुए हैं । इनमें एक थे- राणा संग्रामसिंह ।

उनका चचेरा भाई बनवीर बड़ा धूर्त, चालाक और महत्त्वाकांक्षी प्रकृति का व्यक्ति था । राणा संग्रामसिंह की झूठी-सच्ची प्रशंसा करके वह उनका विश्वासपात्र बन बैठा । राणा संग्रामसिंह राज्य और परिवार के सभी विषयों पर बनवीर से विचार-विमर्श करते तथा उसके सुझाव को बड़ा महत्त्व देते थे ।

धीरे-धीरे बनवीर इतना प्रभावशाली हो गया कि राजपुरोहित, सेनापति तथा महामंत्री तक उससे भयभीत रहने लगे । बनवीर ने दुष्ट, बेईमान और धूर्त राजकीय कर्मचारियों का एक दल बना लिया । इस दल के लोग मेवाड़ की प्रजा का खुलकर शोषण करते थे, भोले-भाले लोगों पर अत्याचार करते थे किंतु बनवीर के प्रभाव के कारण उन्हें कोई कुछ नहीं कह पाता था । इसी समय बनवीर की सेवाओं से प्रसन्न होकर राणा संग्रामसिंह ने बनवीर को मेवाड़ का महामंत्री बना दिया । इससे बनवीर की शक्ति और बढ़ गई । वह राणा संग्रामसिंह के बाद मेवाड़ का सर्वाधिक शक्तिशाली व्यक्ति बन बैठा ।

कुछ समय बाद राणा संग्रामसिंह की मृत्यु हो गई । उनके एकमात्र पुत्र उदयसिंह को युवराज घोषित कर दिया गया । उस समय वे बहुत छोटे थे । बनवीर अपने प्रभाव द्‌वारा उदयसिंह का संरक्षक बन बैठा ।

बनवीर मेवाड़ का शासक बनना चाहता था । उसके रास्ते का बस एक ही काँटा था- युवराज उदयसिंह । बनवीर ने अपने सहयोगियों को लालच दिया कि यदि वह मेवाड़ का शासक बन जाएगा तो उन्हें ऊँचे-ऊँचे पद देगा । बनवीर के साथी भी उसकी तरह धूर्त और लालची थे । सभी ने मिलकर एक भयानक निर्णय लिया-युवराज उदयसिंह की हत्या का निर्णय !

बनवीर के सहयोगियों में एक राजकीय सेवक कट्टर राजभक्त था । इस सेवक ने जब युवराज उदयसिंह की हत्या के संबंध में सुना तो सीधा पन्ना

❑ उचित आरोह-अवरोह के साथ पाठ का वाचन करें । विद्‌यार्थियों से पाठ का मुखर एवं मौन वाचन कराएँ । पाठ में आए मूल्यों पर चर्चा करें, प्रश्न पूछें । कहानी में आए एक-एक पात्र के स्वभाव के बारे में विद्‌यार्थियों को बारी-बारी से बताने के लिए प्रेरित करें ।

के पास पहुँचा और उन्हें सारी बातें बताई ।

पन्ना युवराज उदयसिंह की धाय थीं और उसे अपने पुत्र की तरह स्नेह करती थीं । पन्ना को जब युवराज उदयसिंह की हत्या के षडयंत्र की जानकारी मिली तो वे कुछ समय के लिए

किंकर्तव्यविमूढ़-सी हो गईं । अंत में उन्होंने युवराज को बचाने के लिए एक लोमहर्षक बलिदान देने का निर्णय लिया ।

पन्ना ने एक टोकरे में युवराज को लिटाया । ऊपर से जूठी पत्तलें भर दी, स्वामिभक्त सेवक को आवश्यक निर्देश देकर युवराज को एक सुरक्षित स्थान पर पहुँचाने के लिए कहा ।

बनवीर ने महल के उस भाग पर भारी पहरा बैठा दिया था, जहाँ पन्ना और उदयसिंह थे । यह दिन का समय था । बनवीर रात को युवराज उदयसिंह की हत्या करना चाहता था । अतः उसने दिन के समय युवराज की निगरानी के विशेष आदेश दिए थे ।

स्वामिभक्त सेवक को इन सभी बातों की पूरी जानकारी थी । वह महल के कई गुप्त रास्तों से भी परिचित था अतः उसे युवराज उदयसिंह को महल के बाहर ले जाने में कोई परेशानी नहीं हुई । सेवक सफाई कर्मचारी के वेश में था इसलिए कोई भी उसे पहचान न सका ।

इधर युवराज उदयसिंह को महल के बाहर भेजने के बाद पन्ना ने उसी आयु के अपने बेटे चंदन को युवराज के कपड़े पहनाए । उसे उसी पलंग पर सुला दिया जिस पर कुछ समय पूर्व युवराज उदयसिंह लेटे थे ।

पन्ना जानती थीं कि वे युवराज उदयसिंह को बचाने के लिए अपने बेटे का बलिदान देने जा रही हैं । पन्ना का हृदय हाहाकार कर उठा । एक ओर स्वामिभक्ति और दूसरी ओर माँ की ममता । अंत में पन्ना ने धैर्य और साहस से काम लिया और अपने बेटे को युवराज उदयसिंह के पलंग पर देखकर वह इस प्रकार सामान्य कार्यों में व्यस्त हो गईं जैसे उन्हें राजमहल में होने वाले षडयंत्रों की कोई जानकारी ही न हो ।

तभी अचानक अपने हाथ में तलवार लिए बनवीर ने युवराज उदयसिंह के कक्ष में प्रवेश किया ।

❑ कहानी में संज्ञाओं की विशेषता बताने वाले शब्द खोजने के लिए कहें । विशेषणयुक्त अन्य वाक्यों की रचना करवाएँ । ऐतिहासिक वीरांगनाओं के नामों की सूची बनवाएँ । विद्यार्थियों से किसी एक परिच्छेद का श्रुतलेखन करवाकर एक-दूसरे से जाँच करवाएँ ।

उसने आते ही कठोर आवाज में पन्ना से पूछा– “उदयसिंह कहाँ है ?”

पन्ना कुछ क्षण तो ठगी–सी खड़ी रहीं फिर उन्होंने हृदय पर पत्थर रखकर युवराज उदयसिंह के पलंग पर लेटे हुए अपने बेटे की ओर इशारा कर दिया ।

बनवीर ने एक बार अपने चारों ओर देखा और फिर बड़ी निर्दयता से राजकुमार समझकर उसने चंदन की हत्या कर दी । युवराज उदयसिंह के कक्ष में एक भयानक चीख उभरी और फिर कुछ ही क्षणों में सब शांत हो गया । बनवीर के चेहरे पर एक विजयपूर्ण मुसकान आ गई । उसने सोचा कि उसके मेवाड़ नरेश बनने के मार्ग का एकमात्र काँटा दूर हो गया ।

पन्ना अभी तक बुत बनी हुई थीं । बनवीर के जाते ही वह फूट–फूटकर रो पड़ीं । उनके सामने उनके एकमात्र पुत्र की हत्या कर दी गई और वे कुछ न कर सकीं । पन्ना बड़ी देर तक पड़ी रोती रहीं । अगले दिन उन्होंने युवराज बने अपने बेटे का दाह संस्कार कराया और फिर चुपचाप उस स्थान पर आ पहुँची, जहाँ युवराज उदयसिंह थे ।

पन्ना ने युवराज उदयसिंह का बड़ी सावधानी से पालन–पोषण किया । उन्होंने एक ओर उदयसिंह को बनवीर की नजरों से दूर रखा और उन्हें युवराज के समान शिक्षित किया ।

बड़े होने पर युवराज उदयसिंह ने मेवाड़ की राजगद्दी प्राप्त की और युवराज उदयसिंह से राणा उदयसिंह बने । राणा उदयसिंह ने जीवन भर पन्ना का उपकार माना और जब तक पन्ना जीवित रहीं, उन्हें माता का सम्मान दिया ।

आज न पन्ना है न उदयसिंह किंतु एक वीरांगना के रूप में आज भी भारतवासी पन्ना को याद करते हैं । वीरांगना पन्ना का नाम सुनते ही हम भारतीयों के मस्तक उनके प्रति श्रद्‌धा से झुक जाते हैं ।

*– डॉ. परशुराम शुक्ल*

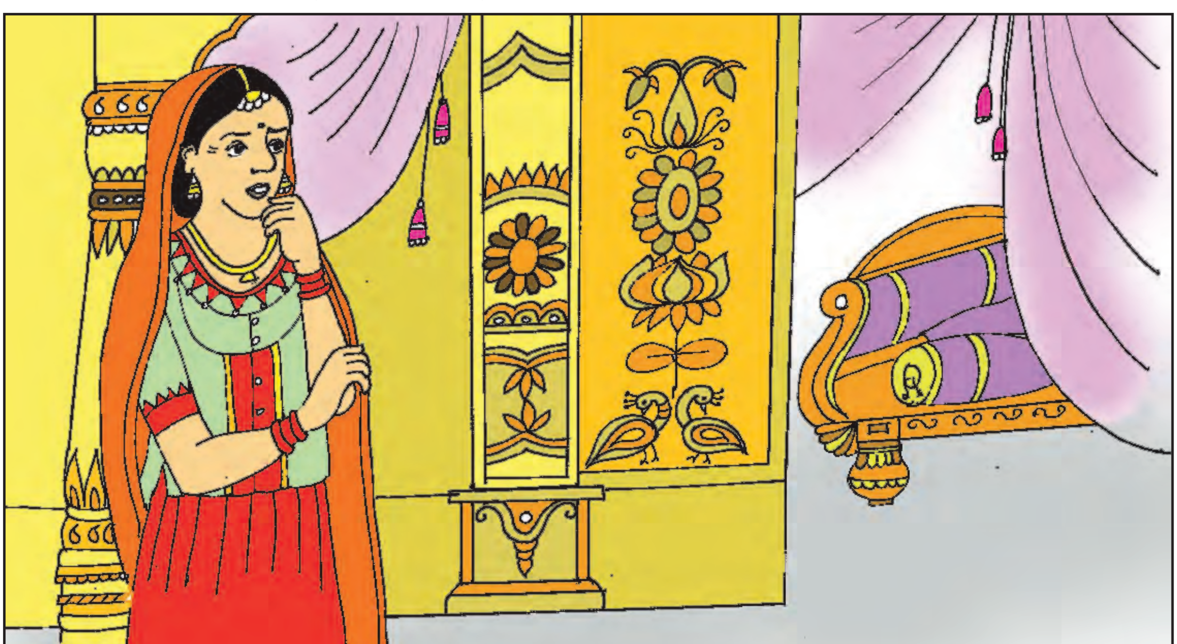

❑ कहानी में आए मुहावरे ढूँढ़ने के लिए कहें । ‘अपने देश में अब राजा, युवराज क्यों नहीं होते,’ इस विषय पर विद्‌यार्थियों से चर्चा करें/कराएँ । पढ़ी हुई ऐतिहासिक कहानी अपने शब्दों में लिखने के लिए कहें । उपसर्ग–प्रत्यययुक्त शब्द ढूँढ़ने के लिए कहें ।

## स्वाध्याय

१. **किसी महिला क्रांतिकारी के बारे में सुनी हुई कोई कहानी सुनाओ ।**

२. **निम्नलिखित राज्यों के नाम उत्तर से दक्षिण दिशा के क्रम में बताओ :**

१. तेलंगाना  २. पंजाब  ३. उत्तर प्रदेश  ४. जम्मू-कश्मीर  ५. केरल

३. **जमीन पर रेंगने वाले प्राणियों से संबधित जानकारी पढ़ो ।**

४. **उत्तर लिखो :**

(क) बनवीर कौन था ? उसका स्वभाव कैसा था ?

(ख) राणा संग्रामसिंह बनवीर से किन विषयों पर विचार-विमर्श करते थे ?

(ग) पन्ना ने युवराज उदयसिंह को कैसे बचाया ?

(घ) युवराज उदयसिंह को महल के बाहर भेजने के बाद पन्ना ने क्या किया ?

(ङ) भारतीयों के मस्तक किसके प्रति श्रद्धा से झुक जाते हैं ?

५. **अनेकार्थक शब्दों को पढ़ो और उनका वाक्यों में प्रयोग करो :**

- धन – जोड़, संपत्ति
- नाना – विविध, माँ के पिता जी
- उत्तर – एक दिशा, जवाब
- पानी – जल, चमक
- फल – कोई एक फल, परिणाम
- वार – दिन, प्रहार
- सर – तालाब, सिर
- लक्ष्य – निशाना, उद्‌देश्य
- सुर – स्वर, देवता
- हार – माला, पराजय

६. **'भावना का समायोजन' संबंधी नीचे दिए गए चित्रों को समझो और चर्चा करो :**

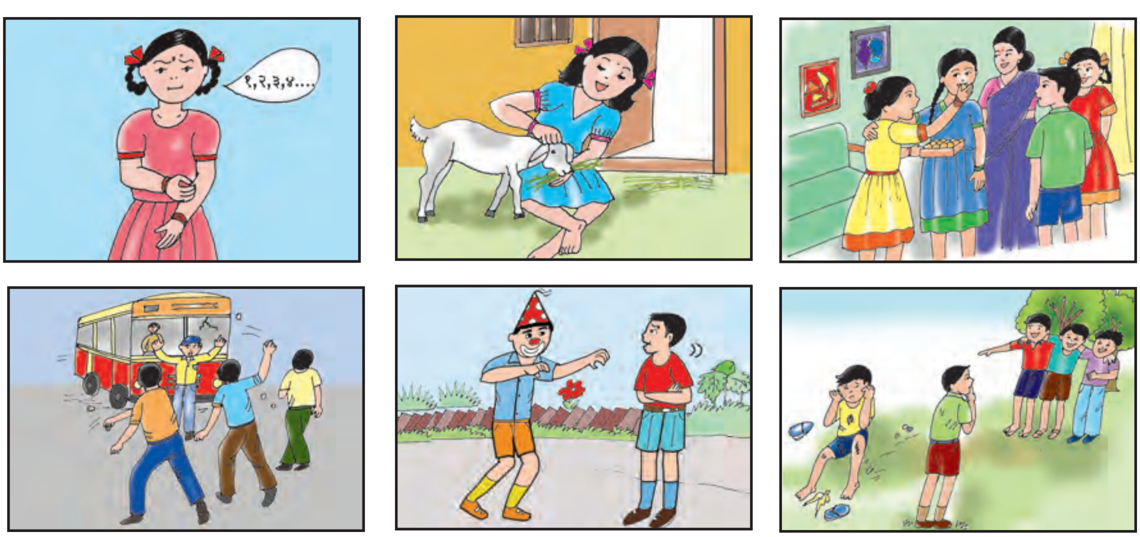


७. **यदि तुम्हें एक दिन के लिए कक्षा प्रमुख (मॉनिटर) बना दिया जाए तो अपनी कक्षा में किस तरह के बदलाव करना चाहोगे, बताओ ।**

● देखो, समझो और लिखो :

# १३. साइकिल

हाथी, घोड़ा, ऊँट नहीं, खाए न दाना घास ।
सदा हवा पर रहे सवार, कभी दिखे न उदास ।।

❑ ऊपर दिए गए चित्र का सूक्ष्म निरीक्षण कराएँ । साइकिल के पुर्जों के नाम पूछकर लिखवाएँ । साइकिल के चित्र पर आधारित आठ से दस वाक्य लिखने के लिए प्रेरित करें । साइकिल चलाने के बारे में उनका अपना अनुभव बताने के लिए कहें ।

● पढ़ो और बोलो :

# १४. महाराष्ट्र दिवस

**उत्कर्ष** – नर्गिस, प्रेरणा, पैट्रिक सभी शीघ्र यहाँ आओ ।

**प्रेरणा** – कहो भाई, क्या काम है ?

**उत्कर्ष** – १ मई याने महाराष्ट्र दिवस समीप आ रहा है । इसी दिन १९६० में महाराष्ट्र राज्य का गठन हुआ था । १ मई दुनिया भर में 'श्रमिक दिन' के रूप में भी मनाया जाता है । इस उपलक्ष्य में आओ हम कुछ अनूठा सोचें और कोई सामाजिक कार्य करें ।

**पैट्रिक** – सही बात है । अब बताओ ! हमें क्या-क्या कार्य करना चाहिए ?

**प्रेरणा** – ऐसा करते हैं कि गाँव की कुछ कर्मठ महिलाओं का पुष्पगुच्छ देकर सम्मान करते हैं और फिर किसी विदुषी का व्याख्यान भी रखते हैं ।

**पैट्रिक** – सुझाव तो ठीक है पर कर्मठ महिलाओं के सम्मान से महाराष्ट्र दिन का क्या संबंध है ?

**प्रेरणा** – कमाल करते हो भाई, क्या महाराष्ट्र के उत्थान में महिलाओं का योगदान नहीं है ?

**नर्गिस** – अरे ! महिलाओं ने इस दिशा में पुरुषों के कंधे-से-कंधा मिलाकर योगदान दिया है ।

**पैट्रिक** – क्षमा करो भाई, मेरे कहने का तात्पर्य यह नहीं था ।

**प्रेरणा** – चलो ठीक है, अब इसमें किसी को कोई आपत्ति नहीं है ।

**पैट्रिक** – बात तो ठीक है पर अपने मित्र फरहान और क्रिस्टो नहीं दिखाई पड़ रहे हैं ।

**(इतने में दोनों आते दिखाई पड़ते हैं ।)**

**प्रेरणा** – देखो, वे दोनों भी आ गए ।

**फरहान** – माफ करना मित्रो, एक पक्षी प्यास से व्याकुल होकर गिर गया था । उसके लिए पानी

❑ पाठ का आदर्श वाचन करें । विद्यार्थियों से पाठ का वाचन कराएँ । संवाद का नाट्यीकरण कराएँ । किसी कार्यक्रम के लिए कौन-कौन-सी तैयारियाँ करनी चाहिए; इसपर चर्चा करें । विद्यार्थियों को महाराष्ट्र की प्रमुख विशेषताएँ बताने के लिए प्रेरित करें ।

का प्रबंध करके ही हम यहाँ आए हैं । उसी की देखभाल में हमें देर हो गई ।

**पैट्रिक** – कोई बात नहीं मैं तुम दोनों को सारी बातें समझा दूँगा ।

**उत्कर्ष** – तो फिर अपना कार्यक्रम पक्का रहा । अब तय करो कि सम्मान किन-किन महिलाओं का हो और प्रमुख वक्ता के रूप में किसे आमंत्रित करें ?

**नर्गिस** – प्रमुख वक्ता के रूप में तो जिला परिषद कन्या विद्‌यालय की प्रधानाध्यापिका श्रीमती कस्तूरी जी को आमंत्रित किया जाना चाहिए ।

**पैट्रिक** – गाँव की महिला पुलिसकर्मी, बैंक की मैनेजर, समाजसेविका, महिला गृह उद्‌योग की संचालिका और बचत समूह की प्रमुख को सम्मानित करना चाहिए । साथ ही आटा चक्की चलाने वाली महिला और किसी महिला कंडक्टर का नाम भी जोड़ दें ।

**उत्कर्ष** – कार्यक्रम शाम को छह बजे खुली हवा में और गाँव के मैदान में हो तो कैसा रहेगा ?

**प्रेरणा** – बहुत बढ़िया ! चलो, अब सबको आमंत्रित करना शुरू कर दें ।

**नर्गिस** – हाँ बिलकुल, हम लोगों के पास समय बहुत कम है । मंच और गुलदस्तों की भी व्यवस्था करनी है ।

**पैट्रिक** – अभी से काम में जुट जाएँ तो निर्धारित समय के भीतर सब हो जाएगा ।

**उत्कर्ष** – कहते हैं न, जहाँ चाह, वहाँ राह ।

**(१ मई को कार्यक्रम संपन्न हुआ । महाराष्ट्र दिवस पर आयोजित इस अनूठे कार्यक्रम की सभी ने दिल खोलकर प्रशंसा की । )**

*– प्रीति*

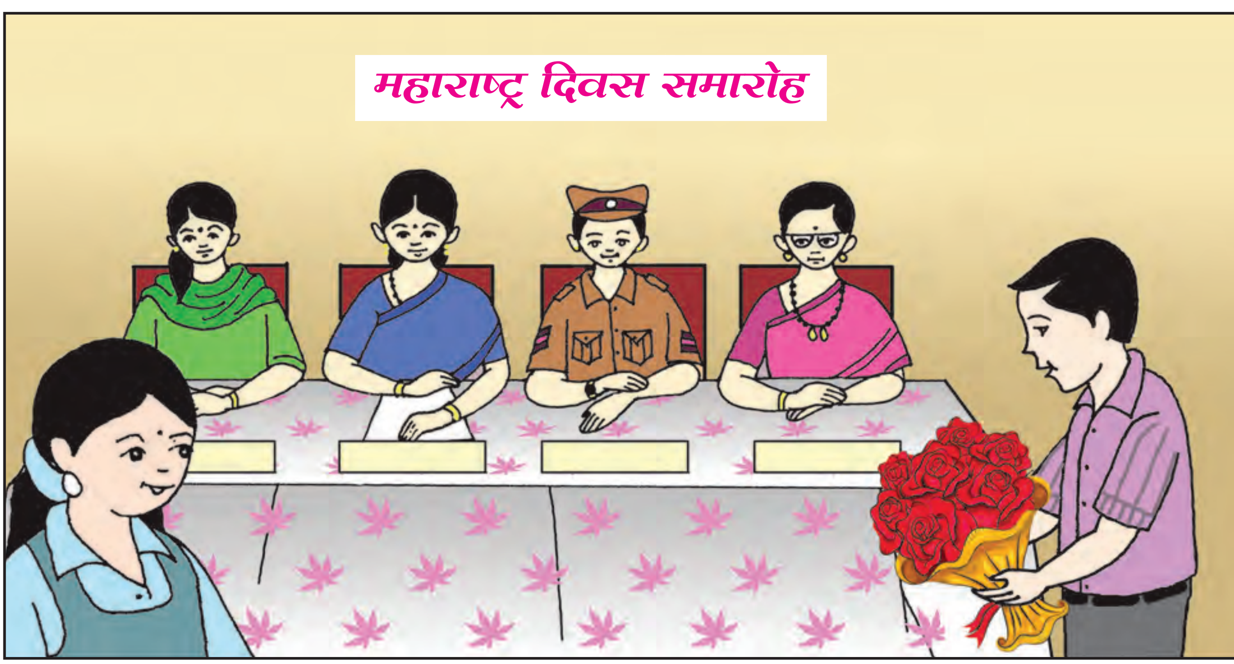


❑ 'महाराष्ट्र दिवस' और 'श्रमिक दिवस' पर चर्चा करें । महाराष्ट्र के महापुरुषों/महिलाओं के नाम पूछें । पाठ के संयुक्ताक्षरयुक्त शब्दों का लेखन कराएँ । पाठ में कौन-कौन-से विरामचिह्न आए हैं, पूछें, चर्चा करें और विद्यार्थियों से इनका लिखित अभ्यास कराएँ ।

## स्वाध्याय

१. **किसी राष्ट्रीय पर्व पर सुने हुए भाषण का सारांश सुनाओ ।**

२. **स्वच्छता के महत्त्व पर संक्षिप्त भाषण तैयार करके बोलो ।**

३. **सार्वजनिक स्थानों के सूचना फलक पर लिखी सूचनाएँ पढ़ो ।**

४. **एक वाक्य में उत्तर लिखो :**

(क) महाराष्ट्र राज्य का गठन कब हुआ ?

(ख) बच्चों ने प्रमुख वक्ता के रूप में किसे आमंत्रित किया ?

(ग) महाराष्ट्र दिवस के कार्यक्रम में किन-किन महिलाओं का सम्मान करना तय हुआ ?

(घ) महाराष्ट्र दिवस का कार्यक्रम कहाँ संपन्न हुआ ?

(ङ) इस संवाद के पात्रों के नाम लिखो ।

५. **सूचनानुसार काल परिवर्तन करके पुनः लिखो :**

(च) तितली फूल पर दिखाई देती है । (भूतकाल)

(छ) बाहर का खाना खाकर बच्चे बीमार हो जाएँगे । (वर्तमानकाल)

(ज) सोनू दादा जी की बात सुनता था । (भविष्यकाल)

(झ) बच्चों ने दुकानदार से रुपये गिनकर लिए । (वर्तमानकाल)

(ञ) सत्य बोलने वाले की हमेशा विजय होती है । (भविष्यकाल)

६. **'कर्मठता' संबंधी नीचे दिए गए चित्रों को समझो और चर्चा करो :**

७. **गेंद ऊपर फेंको । तुम्हें उसे पकड़ना है । गेंद को ऊपर से नीचे आते देखकर तुम्हारे मन में क्या कोई विचार उठता है ? यदि हाँ तो कौन-सा, बताओ ।**

● सुनो, पढ़ो और लिखो :

# १५. खज्जियार– भारत का स्विट्‌जरलैंड

"पापा, आपको पता है मेरी क्लास में रिया है ना, वह अपने मम्मी-पापा के साथ अभी सिंगापुर घूमकर आई है ।" खाना खाते-खाते अंबा ने पापा को बताया । "हाँ पापा और जो मेरा दोस्त है न अभिनव; वह भी अभी दुबई घूमकर आया है । पापा, हमें भी जाना है घूमने.... पिछली छुट्टियों में भी आप कहीं नहीं ले गए थे ।" अर्पण भी पीछे नहीं रहा ।

पापा ने कौर तोड़ा, "जाएँगे बेटा, जरूर जाएँगे ।" अंबा और अर्पण दोनों ने एक साथ चम्मच से थाली बजाई, "हाँ पापा ! और इस बार तो हम स्विट्‌जरलैंड ही जाएँगे चाहे कुछ भी हो जाए ।" पापा चौंक गए, "अरे स्विट्‌जरलैंड क्यों भाई, भारत में ही कहीं घूमने चलेंगे... ।"

"नहीं ।" दोनों ने एक साथ कहा, "अब तो हमें स्विट्‌जरलैंड घूमने जाना है तो जाना है ।" पापा ने खाना समाप्त कर उठते हुए कहा, "अच्छा भाई चलेंगे, स्विट्‌जरलैंड चलेंगे....।" एक दिन पापा ने आकर खुशखबरी सुनाई, "बच्चो ! तुम लोग कह रहे थे न स्विट्‌जरलैंड जाना है तो चलो इस बार तुम्हें स्विट्‌जरलैंड घुमा ही लाते हैं ।" "हुर्रे !" अंबा और अर्पण जोर से चिल्लाए । पापा ने बीच में टोका, "अरे-अरे ! पूरी बात तो सुनो, स्विट्‌जरलैंड नहीं मिनी स्विट्‌जरलैंड ।" बच्चे आश्चर्यचकित हो गए, "मिनी स्विट्‌जरलैंड !" पापा ने कहा, "हाँ ! अब ज्यादा सवाल-जवाब मत करो, पैकिंग करो । हाँ, पैकिंग में ऊनी कपड़े भरपूर रख लेना क्योंकि वहाँ ठंड बहुत होगी ।"

निश्चित दिन रेल द्‌वारा वे पठानकोट पहुँचे । वहाँ से उन्होंने एक टैक्सी किराये पर ली और चल पड़े मिनी स्विट्‌जरलैंड की तरफ । अंबा ने आश्चर्य से पूछा, "पापा, भारत में भी स्विट्‌जरलैंड है !" इससे पहले कि पापा कुछ कहते अर्पण ने अपना ज्ञान बघारा, "है ना, तुझे पता नहीं क्या, भारत है ही इतना सुंदर कि यहाँ स्विट्‌जरलैंड देखकर स्विट्‌जरलैंड वालों ने अपने देश का नाम स्विट्‌जरलैंड रख लिया था ।" मम्मी-पापा दोनों हँस पड़े ।

अंबा ने बोर्ड देखा उसपर लिखा था

❑ प्रथम परिच्छेद का आदर्श वाचन करें । विद्‌यार्थियों से पाठ का मुखर एवं मौन वाचन कराएँ । पाठ के आधार पर विद्‌यार्थियों को खज्जियार यात्रा का वर्णन करने के लिए प्रेरित करें । पाठ में आए नए एवं संयुक्ताक्षरयुक्त शब्दों का श्रुतलेखन कराएँ ।

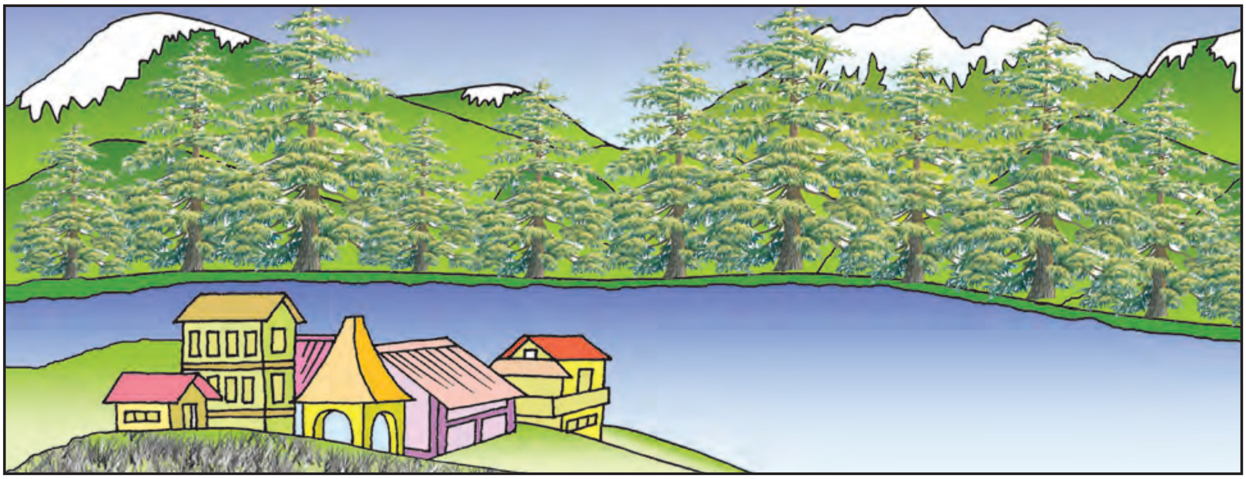

–'खज्जियार' में आपका स्वागत है । पापा ने कहा, "लो जी, आ गए हम अपने स्विट्‌ज़रलैंड में ।" अर्पण ने कुछ रूठे से स्वर में कहा, "यहाँ तो 'खज्जियार' लिखा हुआ है ।" पापा ने हँसकर उसके दोनों गाल दबा दिए, "हाँ तो, यही तो है अपना 'मिनी स्विट्‌ज़रलैंड !' देखो कितना खूबसूरत है । हरी-भरी वादियाँ, पहाड़ियाँ, बादल, बर्फ ....!"

दोनों ने देखा पर कुछ बोले नहीं । पापा ने वहाँ 'हिमाचल प्रदेश पर्यटन विकास निगम' के होटल 'देवदार' में पहले से ही बुकिंग करवा ली थी । वे सीधे वहीं पहुँचे । सुंदर कमरा और खिड़की से दिखाई देते बाहर के दृश्य, मम्मी तो मंत्रमुग्ध-सी उन दृश्यों का आनंद ले रही थीं । उन सबको भूख भी लग रही थी । बाद में वे बाहर आए और एक रेस्टोरेंट में खाना खाया और फिर घूमने निकले ।

पापा ने बताया, "बच्चो, तुम्हें पता है इसे मिनी स्विट्‌ज़रलैंड नाम क्यों, कब और किसने दिया ?" ठंड से काँपते-बजते दाँतों के बीच दोनों ने कहा, "नहीं... !" अब की मम्मी ने कहा, "ये यहाँ-वहाँ बिखरी इसकी सुंदरता तो तुम देख रहे हो ना । हरी-भरी धरती, नीला अंबर, देवदार के विशाल वृक्ष, बर्फ इन सबकी वजह से इसे स्विट्‌ज़रलैंड का दर्जा दिया गया है ।"

"तुम्हें पता है ७ जुलाई १९९२ को भारत में 'चांसरी ऑफ स्विट्‌ज़रलैंड' के वाइस काउंसलर ब्लेजर ने 'खज्जियार' को स्विट्‌ज़रलैंड का खिताब दे डाला । अच्छा अर्पण ! तुम बताओ स्विट्‌ज़रलैंड की राजधानी का नाम क्या है... ?"

अर्पण सोच में पड़ गया । पापा ने वहाँ लगा एक बोर्ड दिखाया, "देखो, इसपर सब लिखा है ।" अर्पण ने देखा, "बर्न्स ! स्विट्‌ज़रलैंड की राजधानी बर्न्स है ।" उसने आगे पढ़ा "और खज्जियार से बर्न्स की दूरी ६१९४ किमी है ।" अर्पण हैरानी से बोला, " ओ पापा ! इतनी दूर है स्विट्‌ज़रलैंड !" अंबा बीच में कूदी, "और नहीं तो क्या बगल में धरा है !" पापा ने मुस्कुराते हुए अंबा की चोटी हिला दी फिर बोले, "यहाँ के जो काउंसलर थे न, खज्जियार से एक पत्थर ले गए थे जिसे स्विस संसद के नजदीक लगाया गया ताकि वहाँ के लोग भारत में बसे इस 'मिनी स्विट्‌ज़रलैंड' को याद करते रहें ।"

अर्पण ने पूछा, "पर यहाँ पर बस यही सब है ? क्या और कोई देखने लायक जगह नहीं हैं ?"

❑ पाठ में आए प्राकृतिक दृश्य, मंदिर और नदी पर चर्चा करें । खाना, सोना, धरा जैसे शब्दों के भिन्नार्थी शब्द लिखने के लिए प्रेरित करें । पाठ में आए विशेषणयुक्त शब्दों की सूची बनवाएँ । विशेषण एवं संज्ञा शब्दों का वर्गीकरण कराके पुस्तिका में लिखवाएँ ।

पापा ने कहा, "हैं ना, चलो सबसे पहले तुम्हें खज्जियार बीच दिखाते हैं ।" वहाँ पहुँचते ही दोनों के मुँह से निकला 'वाह मजा आ गया !' बीच पर मस्ती कर, गरमागरम कॉफी पीकर वे लोग चले 'खज्जी नाग मंदिर' की तरफ ।

अंबा को साँपों से बड़ा डर लगता था । वह तो नाम सुनकर ही बोली, "मैं नहीं जाऊँगी वहाँ साँपों के पास ।" पापा ने समझाया, "असली साँप थोड़े ही हैं ? तुम साँप मत देखना, तुम तो मंदिर की वास्तुकला देखना ।" वाकई मंदिर की शैली अद्भुत थी । इसे देखकर लोग आश्चर्यचकित हो जाते हैं । कहा जाता है कि पुनर्निर्मित इस मंदिर में पांडवों ने हारे हुए कौरव सैनिकों को बाँधकर रखा था जिनकी छवियाँ छत से लटकती नजर आती हैं । अंबा डरकर अर्पण से चिपक गई, "भैया, क्या ये भूत हैं ?" अर्पण ने बहादुरी दिखाई, "हट पागल ! भूत-वूत कुछ नहीं होते, सब ऐसे ही कहते हैं । है ना पापा ......?"

पापा ने कहा, "बिलकुल सही बेटा ! फिर भी तुम्हें कुछ ऐसे खंडहर भी दिखाते हैं जिन्हें भूत बंगला बताकर उन्हें और डरावना बना दिया जाता है ।" अंबा और अर्पण ने वहाँ जाकर आवाजें निकाली और एक-दूसरे को 'भूत-भूत' कहकर डराया और वहाँ से फिर होटल चले आए ।

दूसरे दिन सुबह बर्फ पर स्कीइंग की, बर्फ के गोले एक-दूसरे पर फेंककर खूब मजे लिए । खेलते-खेलते वे कई बार गिरे पर चोट बिलकुल नहीं लगी । इससे उन्हें और ज्यादा मजा आया ।

अब वे निकले डलहौजी की तरफ जो खज्जियार से २४ किमी की दूरी पर है । रावी, चिनाब एवं दिवाशा नदी की चाँदी के समान धवल धाराओं के बीच बसे डलहौजी को अंग्रेज गवर्नर जनरल लॉर्ड डलहौजी ने स्वास्थ्य एवं सेहत को ध्यान में रखते हुए बसाया था । वहाँ की हरीतिमा, प्राकृतिक सौंदर्य और पर्यटक स्थल देखने के बाद वे लोग वापस लौट आए राजधानी दिल्ली । अब अर्पण और अंबा के पास अपने ही देश में बसे मिनी स्विट्‌जरलैंड के बारे में अपने दोस्तों को बताने के लिए ढेर सारी जानकारियाँ थीं ।

***– डॉ. ममता मेहता***

❑ पाठ में आए विराम चिह्नों का निरीक्षण कराएँ । विरामचिह्न रहित परिच्छेद देकर इन चिह्नों का दृढ़ीकरण कराएँ । महाराष्ट्र के दर्शनीय स्थलों की सूची बनवाएँ । उन्हें अपनी पसंद के किसी दर्शनीय स्थल का वर्णन लिखने के लिए प्रोत्साहित करें ।

## स्वाध्याय

१. अपने मित्र से गाँव की यात्रा संबंधी उसका अनुभव सुनो ।

२. सैर पर जाने के पूर्व कौन-कौन-सी तैयारियाँ करनी पड़ती हैं, बताओ ।

३. भारत के ऐतिहासिक दर्शनीय स्थलों की जानकारी पढ़ो ।

४. उत्तर लिखो :

(क) अंबा और अर्पण कहाँ जाना चाहते थे ?

(ख) मम्मी,पापा, अंबा और अर्पण सभी पठानकोट कैसे पहुँचे ?

(ग) खज्जियार को स्विट्‌जरलैंड का खिताब किसने दिया था ?

(घ) 'खज्जी नाग मंदिर' के बारे में क्या कहा जाता है ?

(ङ) 'खज्जियार' पाठ में कौन-कौन-से दर्शनीय स्थलों के नाम आए हैं ?

५. निम्नलिखित मुद्दों के आधार पर कहानी लेखन करो :

घना जंगल............. शेर का राज........... भोजन के लिए प्राणियों को भेजने का आदेश............ जानवरों द्‌वारा प्रतिदिन एक प्राणी भेजने का निर्णय............. खरगोश की बारी................ कुएँ में अपना प्रतिबिंब देखना................ युक्ति सूझना................ मनगढ़ंत कहानी सुनाना............ शेर का आना............... प्रतिबिंब को अपना प्रतिद्‌वंदी समझना............ शेर की मृत्यु............ ।

६. नीचे दिए गए 'प्रभावशाली विचार विमर्श' संबंधी चित्रों को समझो और चर्चा करो :

७. तुम्हारा मित्र आज टिफिन लाना भूल गया है । ऐसी स्थिति में तुम क्या करना चाहोगे, बताओ ।

● पढ़ो, समझो और करो :

# १६. स्काउट-गाइड

क्रिसमस की छुट्टियाँ थीं । राजेश अपनी मौसी के घर आया था । मौसी का घर सड़क के किनारे था । मौसी का लड़का प्रथमेश आठवीं का छात्र था । वे दोनों आपस में अपने-अपने विद्‌यालय की बातें कर रहे थे कि अचानक गाड़ी के जोरदार ब्रेक लगने और चीख की आवाज सुनाई दी । देखते-ही-देखते लोगों की भीड़ इकट्‌ठी हो गई । प्रथमेश और राजेश भी दुर्घटना स्थल की ओर दौड़ पड़े । उन्होंने देखा कि एक लड़का सड़क पर खून से लथपथ पड़ा कराह रहा था । प्रथमेश आगे बढ़कर एक-दो लोगों की मदद से उसे उठाकर अपने घर ले आया । उसके घाव साफ किए । प्रथमोपचार करके उसे अस्पताल पहुँचाया । तुरंत लड़के के घरवालों को सूचना पहुँचाई । राजेश यह सब आश्चर्यचकित होकर देख रहा था । घर लौटते समय उसने उत्सुकता से पूछा, "भैया ! आपने इतनी अच्छी तरह से उस लड़के का उपचार किया । आपको खून देखकर डर नहीं लगा क्या ? आपने यह सब कहाँ सीखा ?" प्रथमेश बोला, "डर कैसा ? हमारे विद्‌यालय में स्काउट एवं गाइड का पथक चलता है । इस पथक में जरूरतमंदों की मदद करना, असहायों की सहायता करना, घायलों का प्रथमोपचार करना सिखाया जाता है ।"

राजेश की उत्सुकता बढ़ गई थी । बोला, "भैया मुझे भी इस पथक के बारे में बताइए न !" प्रथमेश बोला, "स्काउट और गाइड एक आंदोलन की तरह है । पाँचवीं कक्षा या १० वर्ष की उम्र से इसके पथकों की शुरुआत होती है । लड़कों के लिए स्काउट और लड़कियों के लिए गाइड के पथक होते हैं । हालाँकि कब और बुलबुल का प्रारंभ इससे पहले ही हो जाता है । यह एक प्रकार से वैश्विक शैक्षणिक आंदोलन है ।" राजेश बोला, "भैया मेरी उत्सुकता बढ़ती जा रही है । स्काउट एवं गाइड के बारे में और अधिक बताइए न !"

"इन पथकों के माध्यम से अच्छे संस्कार डालने और भविष्य में चरित्र संपन्न उत्तम नागरिक गढ़ने का प्रयत्न किया जाता है," प्रथमेश ने कहा ।

राजेश बोला, "मैं ठीक से समझा नहीं ।" प्रथमेशने कहा, "इसमें खेल, गीत, कहानी-कथा,

❑ उचित आरोह-अवरोह के साथ पाठ का एकल मुखर वाचन एवं सामूहिक मौन वाचन कराएँ । किसी एक परिच्छेद का श्रुतलेखन करवाएँ । प्रथमोपचार पर चर्चा करें/कराएँ । स्काउट/गाइड के विद्‌यार्थियों का साक्षात्कार लेने के लिए प्रश्न तैयार कराएँ ।

जीवनोपयोगी बातें अनेक आनंददायी माध्यमों से सिखाई जाती हैं । सेवा, परोपकार 'सादा जीवन-उच्च विचार' इसके मूल गुण हैं ।" इतना कहकर उसने राजेश की तरफ देखा । उसे लगा, राजेश की उत्सुकता अभी शांत नहीं हुई है । बोला,"स्काउट-गाइड विश्वसनीय, निष्ठावान, विनयशील, धैर्यवान होते हैं । वे अनुशासनप्रिय और सार्वजनिक संपत्ति की रक्षा करने में मदद करते हैं और हाँ, जानते हो इस आंदोलन का ध्येय है- 'तैयार रहो' ।" राजेश बोला, "क्या मतलब भैया ?"

प्रथमेश ने कहा, "शरीर से मजबूत, मन से जागरूक व नीति से पवित्र रहकर दूसरों की मदद के लिए सदा तैयार रहने का प्रयत्न करना ही इसका उद्‌देश्य है ।" राजेश हँसते हुए बोला, "अच्छा ! इसीलिए आप दौड़कर मदद करने पहुँच गए ।" प्रथमेश अपनी धुन में बोलता जा रहा था, "इसका ध्वज गहरे नीले रंग का होता है जिसके मध्यभाग में पीले रंग में त्रिदल कमल एवं कमल के मध्यभाग में अशोक चक्र होता है । इस ध्वज के नीचे ईश्वर एवं स्वदेश के प्रति कर्तव्य करने, दूसरों के काम आने, स्काउट-गाइड के नियमों को आचरण में लाने की प्रतिज्ञा करनी पड़ती है ।"

राजेश ने कहा, "फिर तो इस झंडे को सलामी भी देते होंगे ।"

प्रथमेश ने स्वीकृति में सिर हिलाया और बोला, "दाएँ हाथ के बीच की तीन उंगलियों द्‌वारा सलामी देते हैं । 'भारत स्काउट-गाइड झंडा ऊँचा सदा रहेगा' तथा 'दया कर दान भक्ति का' प्रार्थना की जाती है ।"

राजेश बोल पड़ा, "वाह भैया ! अब तो मेरी इच्छा स्काउट बनने की हो रही है ।" प्रथमेश बोला, "सिर्फ स्काउट या गाइड बनना काफी नहीं है । इसके मानक चिह्नों को समझना, प्रत्येक दिन समाज में सबकी मदद करने के लिए रोज एक सुकृत्य अर्थात अच्छा काम भी करना होता है ।"

राजेश बोला, "भैया, मैं समझ गया कि सफल स्काउट-गाइड बनने के लिए हमेशा देश और समाज की मदद के लिए तैयार रहना चाहिए ।"

प्रथमेश बोला, "बिलकुल सही । अब समझ में आ गया तुम्हारे । अगली बार जब आऊँगा तो बहुत सारे सांकेतिक चिह्नों पर चर्चा करेंगे ।"

राजेश बोल उठा, "भैया ! अभी तो पेट में कुछ संकेत उठ रहे हैं । चलो खाना खाते हैं ।"

**(दोनों हँस पड़े ।)**

*-ललिता गुलाटी*

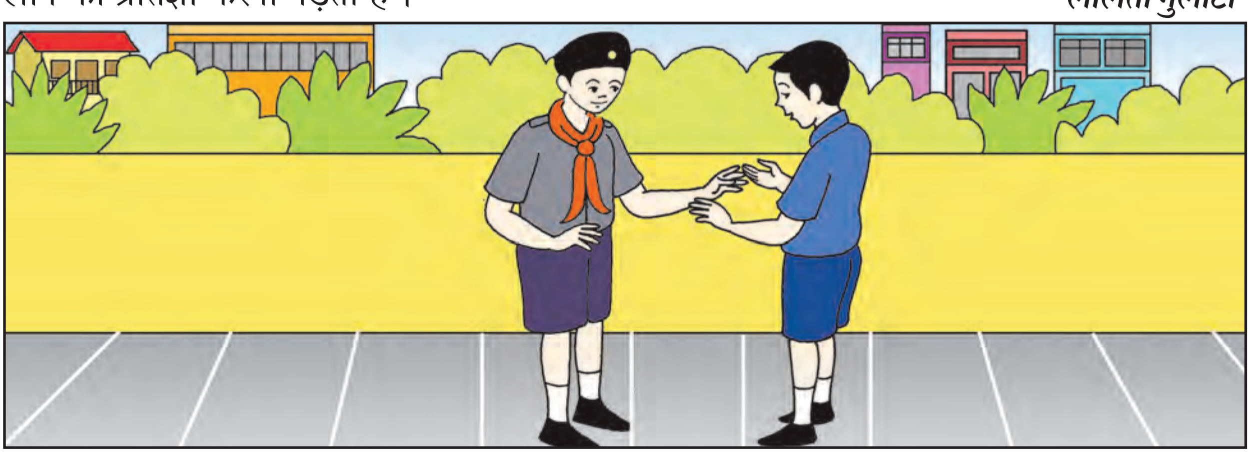

❑ स्काउट/गाइड की मुख्य बातों पर चर्चा करें । विद्‌यार्थियों को स्काउट/गाइड पथक में सम्मिलित होने के लिए प्रेरित करें । स्काउट/गाइड, पुलिस, पथ सुरक्षा दल के प्रमुख सांकेतिक चिह्नों पर चर्चा करें और इन चिह्नों को स्वाध्याय पुस्तिका में बनवाएँ ।

## स्वाध्याय

१. रद्दी कागज से थैली बनाने की प्रक्रिया की जानकारी सुनो ।

२. प्रथमोपचार पर आठ से दस वाक्य बोलो ।

३. औषधीय गुणोंवाले वृक्षों के बारे में पढ़ो और ऐसे पाँच वृक्षों के चित्र और जानकारी अपनी कृति पुस्तिका में चिपकाओ ।

४. उत्तर लिखो :

(क) देखते ही देखते लोगों की भीड़ क्यों इकट्ठी हो गई ?
(ख) स्काउट एवं गाइड पथक में क्या-क्या सिखाया जाता है ?
(ग) स्काउट एवं गाइड पथक के मूल गुण कौन-कौन-से हैं ?
(घ) स्काउट एवं गाइड के ध्वज के नीचे कौन-सी प्रतिज्ञा करनी पड़ती है ?
(ङ) स्काउट या गाइड बनने के अतिरिक्त उन्हें और क्या करना होता है ?

५. निम्नलिखित लगभग समोच्चारित भिन्नार्थक शब्दों को पढ़ो, समझो :

| | | | |
|---|---|---|---|
| द्वीप = टापू | द्विप = हाथी | नित = हर दिन | नीत = लाया हुआ |
| सूची = विषयक्रम | सूचि = सूई | हल् = चिह्न | हल = खेत जोतने का औजार |
| बहू = पुत्रवधू | बहु = अधिक/बहुत | दिन = दिवस | दीन= गरीब |
| सुत = पुत्र | सूत = धागा | सुर = देवता | सूर = अंधा |
| तनु = दुबला-पतला | तनू = पुत्र | पानी = जल | पाणि = हाथ |
| मणि = रत्न | मणी = सर्प | शीत = ठंडा | शित= दुर्बल |

६. नीचे दिए गए 'स्वास्थ्य' संबंधी चित्रों को समझो और चर्चा करो :

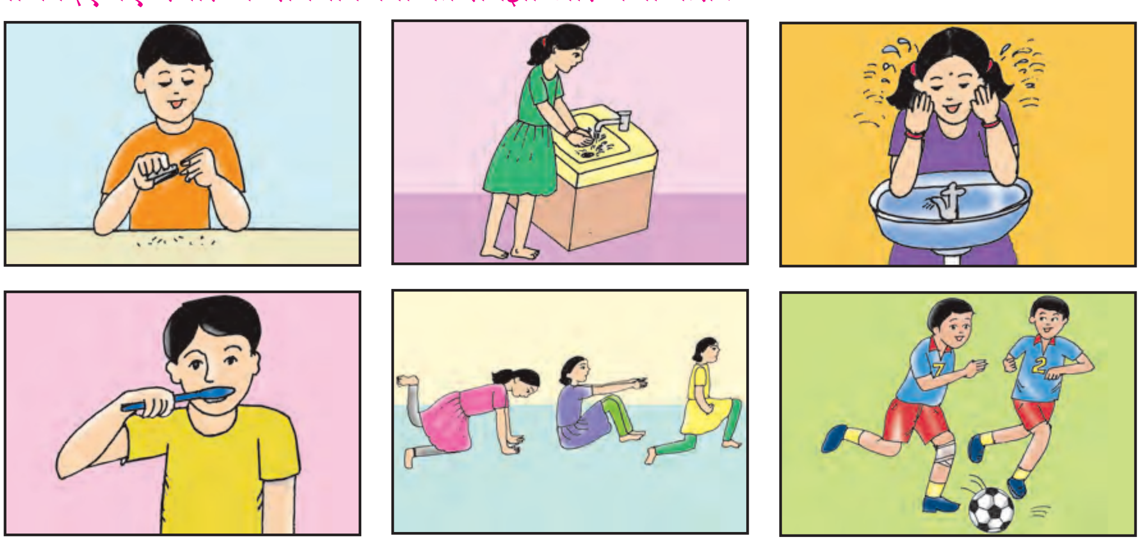

७. तुम्हारे पास चिक्की का एक पैकेट है । परिवार के किन सदस्यों को चिक्की देना चाहोगे और क्यों, बताओ ।

# पुनरावर्तन – ३

१. सीडी पर प्रयाणगीत सुनो ।

२. अब तक के अपने बचपन के बारे में बताओ ।

३. पत्रिका/समाचारपत्र से विज्ञान कथा पढ़ो ।

४. वक्तृत्व स्पर्धा में भाषण देने हेतु 'मेरी प्रिय पुस्तक' पर भाषण लिखो ।

५. कहावतों का पहला आधा हिस्सा गोल क्रमांक १ के खानों में तथा दूसरा आधा हिस्सा गोल क्रमांक २ के खानों में दिया है । दोनों गोलों से एक-एक हिस्सा लेकर अर्थपूर्ण कहावत तैयार करो और अपनी कॉपी में लिखो :

१.

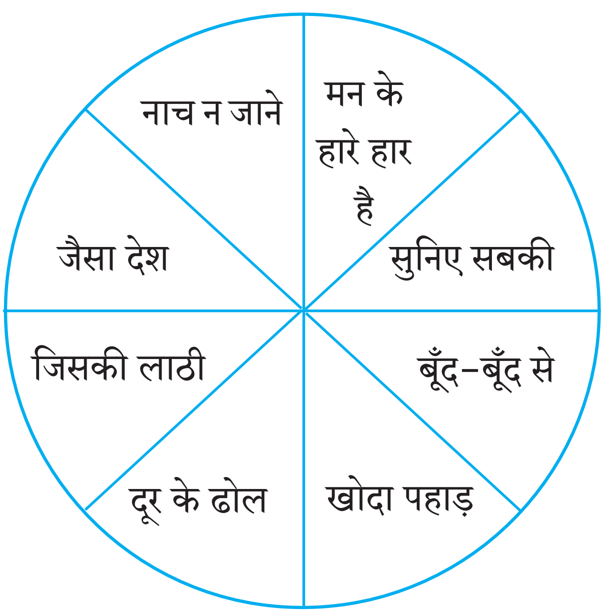


२.

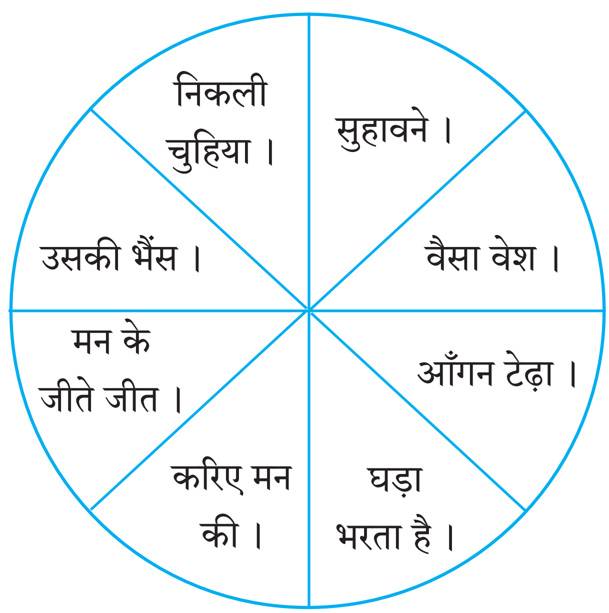


## उपक्रम/प्रकल्प

विद्यार्थियों के कवि सम्मेलन में कविताएँ सुनो ।

तुमने अब तक कौन-कौन-से अच्छे काम किए हैं, बताओ ।

विद्यालय में लगे महान विभूतियों के चित्र देखो । उनके बारे में पुस्तकालय में जाकर पढ़ो ।

प्रत्येक पाठ में आए नए शब्द ढूँढ़ो और उन्हें वर्णमाला के क्रम से लिखो ।

# पुनरावर्तन-४

१. किसी अंतरिक्ष यान के संदर्भ में जानकारी सुनो ।

२. अपने राज्य के किसी ऐतिहासिक स्थान संबंधी जानकारी बताओ ।

३. अपने राज्य के किसी एक अभयारण्य की जानकारी पढ़ो ।

४. अपने दादा-दादी जी/ नाना-नानी जी की जानकारी लिखो ।

५. नीचे 'अ' और 'ब' स्तंभ के चौखटों में मुहावरे तथा उनके अर्थ दिए हैं । 'अ' और 'ब' स्तंभ की उचित जोड़ियाँ मिलाओ । इन मुहावरों का सार्थक वाक्यों में प्रयोग करो :

| 'अ' स्तंभ | 'ब' स्तंभ |
|---|---|
| (क) हाथ बँटाना । | अत्यधिक मान-सम्मान देना । |
| (ख) गुस्सा पी जाना । | थोड़े में अधिक कहना । |
| (ग) कोल्हू का बैल बनना । | तेजी से वृद्धि होना । |
| (घ) दिन दूना रात चौगुना | क्रोधित होना । |
| (ङ) सर आँखों पर बिठाना । | विवशता से अत्यधिक परिश्रम करते रहना । |
| (च) गागर में सागर भरना । | सहयोग देना । |
| (छ) आपे से बाहर होना । | बहुत परिश्रम करना । |
| (ज) आँखें खुलना । | गुस्सा आने पर चुप रह जाना । |
| | डर जाना । |
| | वास्तविकता का ज्ञान होना । |

## उपक्रम/प्रकल्प

अपने मित्रों से चुटकुले सुनो और सुनाओ ।

मोगली तथा इस तरह की अन्य कहानियाँ सुनाओ ।

प्रार्थना गीत खोजकर पढ़ो और उनका संकलन करो ।

अब तक पढ़े/देखे सांकेतिक चिह्न बनाकर उनके बारे में लिखो ।

# चित्रकथा

✻ चित्रवाचन करके अपने शब्दों में कहानी लिखो और उचित शीर्षक बताओ :

१

२

३

४

५

६

❑ ऊपर दिए गए चित्रों का क्रमानुसार ध्यानपूर्वक निरीक्षण कराएँ । चित्र में कौन-कौन-सी घटनाएँ घटी होंगी, सोचने के लिए कहें । चित्रों एवं घटनाओं के आधार पर कहानी लिखने के लिए प्रेरित करें । कहानी को उचित शीर्षक देने के लिए कहें ।

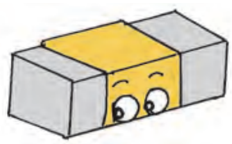

# ✻ शब्दार्थ ✻

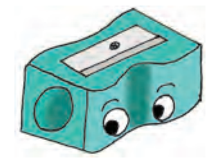

## पहली इकाई

२. **पथ मेरा आलोकित कर दो :** आलोकित= प्रकाशित; नवल= नया, नवीन; रश्मि= किरण; उर= हृदय, तम= अँधेरा; विहग= पक्षी, निर्दिष्ट= तय किया हुआ; लक्ष्य= मंजिल ।

३. **असली गहने :** सुसज्जित= सज-धज; पुलकित= प्रसन्न; अधीरता= बेचैनी ।

६. **मेरा बचपन :** दीवान= मंत्री; सोहबत= संगत ।

८. **अपनापन :** दूभर= मुश्किल; बरही= जन्म के बाद बारहवें दिन का उत्सव; मशहूर= प्रसिद्‌ध; सुलह-सपाटी करवाना= समझौता करवाना ।

१२. **पंचपरमेश्वर :** खाला= मौसी; मिलकियत= संपत्ति; खातिरदारी= मान-सम्मान, आदर; ताहयात= जीवन भर; बदना= नियुक्त करना; धृष्टता= ढिठाई, निर्लज्जता ।

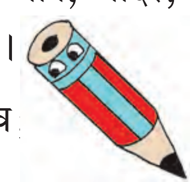

१३. **बूझो तो जानें :** साख= प्रतिष्ठा; भाती= अच्छा लगना; अदाएँ= हाव-भाव कुदरत= प्रकृति; नीर= पानी ।

१४. **महाराष्ट्र दिवस :** उत्थान= उन्नति; कर्मठ= मेहनती; व्याख्यान= भाषण ।

१५. **कूड़ा- करकट से बिजली :** अनुपात= तुलना, प्रमाण; किल्लत= कमी; सँजोना= सम्हालना ।

१६. **नाट्‌यकला :** आहार्य= ग्रहण किया हुआ; कायिक= शारीरिक; वाचिक= वाणी से ।

## दूसरी इकाई

२. **रिश्ता-नाता :** भ्राता= भाई; वत्सल= दयालु, स्नेहवान; उलीचें= फैलाएँ, हाथ से पानी उछालकर फेंकना; जामाता= दामाद ।

४. **क्या तुम जानते हो :** आविष्कार= किसी नई वस्तु/बात को ढूँढ़ निकालना ।

११. **गुनगुनाते चलो :** सौरभ= सुगंध; पतवार= नाव खेने का साधन, चप्पू ।

१२. **अद्‌भुत वीरांगना :** धाय= धात्री, दाई, दूसरे के बच्चे को पालने वाली स्त्री; किंकर्तव्यविमूढ़= भौंचक रहना, जिसे कुछ न सूझे; षड्‌यंत्र= भीतरी चाल, गुप्त रूप से किसी के विरुद्‌ध किया गया कार्य; बुत बनना= मूर्ति के समान शांत और मौन होना ।

१४. **कला का सम्मान :** प्रशंसा= बड़ाई; झिझकना= संकोच करना ।

१५. **खज्जियार- भारत का स्विट्‌जरलैंड :** वादी= पहाड़ियों से घिरी समतल भूमि; नजारा= दृश्य; खिताब= उपाधि; हरीतिमा= हरियाली ।

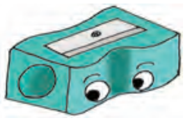

## ✻ मुहावरे ✻

कलेजा धक-धक करना= घबराहट होना; गला भर आना= रुलाई आ जाना, आवाज रुँध जाना; तिकड़म लगाना= युक्ति से काम करना; तू-तू-मैं-मैं करना= झगड़ा करना; नानी याद आना= होश ठिकाने आ जाना; नौ-दो-ग्यारह होना= भाग जाना; फूट-फूटकर रोना= अनियंत्रित होकर रोना; फूले नहीं समाना= बहुत खुश होना; रास्ते का काँटा बनना= बाधा उपस्थित करना; शेखी बघारना= बढ़ा-चढ़ाकर स्वयं की बड़ाई करना; सिट्टी-पिट्टी गुम होना= डर जाना; होश उड़ जाना= घबराना।

## ✻ कहावतें ✻

जहाँ चाह वहाँ राह = इच्छा होने पर कार्य संभव हो जाते हैं; दूध का दूध पानी का पानी = निष्पक्ष न्याय।

---

## ✻ स्वाध्याय के उत्तर ✻

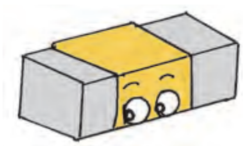

**पुनरावर्तन-१, पृष्ठ ४१, प्र. ५ :**

संज्ञा : सिपाही, राधा, व्यक्ति, लोग, गेहूँ, कपड़ा, चित्र, पत्र, आम, तेल, दही।

विशेषण : सुंदर, थोड़ा, कोई, वही, यही, बीस, तीन, पंद्रह, कई, नया, कुछ।

**पुनरावर्तन-३, पृष्ठ ८४, प्र. ५ :**

१. नाच न जाने आँगन टेढ़ा। २. मन के हारे हार है मन के जीते जीत। ३. सुनिए सबकी, करिए मन की। ४. बूँद-बूँद से घड़ा भरता है। ५. खोदा पहाड़ निकली चुहिया। ६. दूर के ढोल सुहावने। ७. जिसकी लाठी उसकी भैंस। ८. जैसा देश वैसा वेश।

**पुनरावर्तन-४, पृष्ठ ८५, प्र. ५ :**

(क) सहयोग देना। (ख) गुस्सा आने पर चुप रह जाना। (ग) बहुत परिश्रम करना। (घ) तेजी से वृद्धि होना। (ङ) अत्यधिक मान-सम्मान देना। (च) थोड़े में अधिक कहना। (छ) क्रोधित होना। (ज) सही बात का पता चलना।

---

**पृष्ठ क्र. ७३ का उत्तर =** १. सीट २. हैंडल ३. ब्रेक्स ४. टायर ५. स्पोक ६. टायरट्यूब ७. पैडल ८. चेन ९. वॉल्व १०. गियर ११. ब्रेक लाइनर

✻✻✻

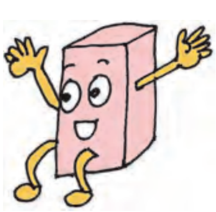

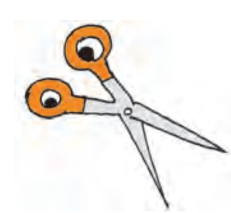

# इयत्ता ५ वी, ८ वी शिष्यवृत्ती परीक्षा मार्गदर्शिका

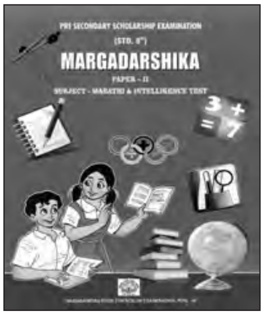

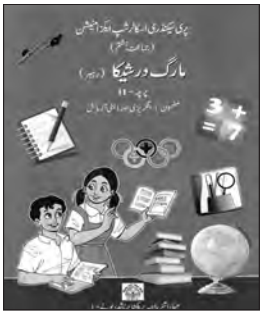

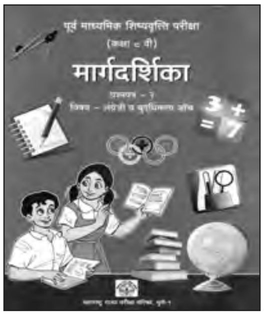


- मराठी, इंग्रजी, उर्दू, हिंदी माध्यमामध्ये उपलब्ध
- सरावासाठी विविध प्रश्न प्रकारांचा समावेश
- घटकनिहाय प्रश्नांचा समावेश
- नमुन्यादाखल उदाहरणांचे स्पष्टीकरण

पुस्तक मागणीसाठी www.ebalbharati.in, www.balbharati.in संकेत स्थळावर भेट द्या.

**साहित्य पाठ्यपुस्तक मंडळाच्या विभागीय भांडारांमध्ये विक्रीसाठी उपलब्ध आहे.**

ebalbharati

विभागीय भांडारे संपर्क क्रमांक : पुणे - ☎ २५६५९४६५, कोल्हापूर- ☎ २४६८५७६, मुंबई (गोरेगाव) - ☎ २८७७१८४२, पनवेल - ☎ २७४६२६४६५, नाशिक - ☎ २३९१५११, औरंगाबाद - ☎ २३३२१७१, नागपूर - ☎ २५४७७१६/२५२३०७८, लातूर - ☎ २२०९३०, अमरावती - ☎ २५३०९६५

महाराष्ट्र राज्य पाठ्यपुस्तक निर्मिती व अभ्यासक्रम संशोधन मंडळ, पुणे.
बालभारती इयत्ता ५ वी (हिंदी)
₹ 40.00